उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

सच का साथी..

बी पी एस न्यूज

www.bpsnews.in

(वर्ष-9 अंक-23)

पृष्ठ 8 मूल्य 2/रुपया

सोमवार 08 जुलाई, 2024

एनएसजी कमांडो का शव पहुंचा गांव, हर आंख हुई नम 8

पेंशनर्स फोरम ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा 4

इंडिया एलाइंस लोको पायलट के कामकाजी हालात में सुधार के लिए संसद में आवाज उठाएगा: राहुल गांधी

नयी दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने रविवार को लोको पायलट से जुड़े मुद्दों को उठाते हुए कहा कि 'इंडिया' गठबंधन उनके अधिकारों और कामकाजी परिस्थितियों में सुधार के लिए संसद में आवाज उठाएगा। गांधी ने नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर लोको पायलट के साथ अपनी हालिया बातचीत का एक वीडियो 'एक्स' पर पोस्ट कर यह टिप्पणी की। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, ''नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में लोको पायलट की जिंदगी की गाड़ी पूरी तरह से पटरी से उतर गई है।'' उन्होंने कहा कि लोको पायलट को गर्मी से खौलते केबिन में बैठ कर 16-16 घंटे काम करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

गांधी ने एक पोस्ट में कहा, ''जिनके भरोसे करोड़ों जिंदगियां चलती हैं, उनकी अपनी जिंदगी का कोई भरोसा नहीं है। 'यूरिनल' (मूत्रालय) जैसी बुनियादी सुविधाओं से भी वंचित लोको पायलट के न काम के घंटों की कोई सीमा है और न ही उन्हें छुट्टी मिलती है। इस कारण वे शारीरिक और मानसिक रूप से टूट कर बीमार हो रहे हैं।'' कांग्रेस नेता ने कहा कि ऐसे हालात में लोको पायलट से ट्रेन चलवाना उनकी और यात्रियों की जान को जोखिम में डालना है।

गांधी ने कहा कि 'इंडिया' गठबंधन लोको पायलट के अधिकारों और कामकाजी हालात को बेहतर किए जाने के लिए संसद में आवाज उठाएगा।

बातचीत का वीडियो साझा करने के साथ गांधी ने कहा, ''इस छोटी सी चर्चा को देखकर आप भी उनकी पीड़ा को महसूस कर सकते हैं।''

वीडियो में लोको पायलट ने गांधी से आराम की कमी, छुट्टी न मिलने और ''अमानवीय कार्य स्थितियों'' की शिकायत की है। 'ऑल इंडिया लोको रनिंग स्टाफ एसोसिएशन' के दक्षिण जोन अध्यक्ष ने शनिवार को लोको पायलट को लेकर गांधी को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें हालिया रेल दुर्घटनाओं के लिए खराब कामकाजी परिस्थितियों को जिम्मेदार ठहराया गया। आर. कुमारेसन ने शुक्रवार को नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर गांधी और लोको पायलट के बीच बातचीत के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हाथरस हादसा- राहुल गांधी ने सीएम योगी को लिखा पत्र, पीड़ितों के लिए मुआवजा राशि को बढ़ाये जाने की कही बात

लखनऊ/हाथरस, । हाथरस हादसे को लेकर कांग्रेस के सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सीएम योगी आदित्यनाथ को एक पत्र लिखा है। राहुल गांधी ने अपने पत्र में सीएम से पीड़ित परिवारों की समस्याएं साझा की हैं। इसके साथ ही कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सीएम योगी से मुआवजे की राशि को बढ़ाने की मांग की है। उन्होंने मुआवजे को जल्द से जल्द पीड़ित परिवार को देने को कहा है। राहुल गांधी ने अपने पत्र में लिखा है कि मैंने हाथरस और अलीगढ में जाकर पीड़ितों से बातचीत की है। उन्होंने लिखा कि घायलों के समुचित इलाज का प्रबंध भी किया जाना चाहिए। साथ ही दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग भी कांग्रेस सांसद ने अपने पत्र में की है। राहुल गांधी ने अपने पत्र में लिखा कि अलीगढ़ में जब मैं एक पीड़ित परिवार से मिला तो उन्होंने बताया कि इस घटना में स्थानीय प्रशासन की लापरवाही है। ऐसे में इस मामले में उचित और पारदर्शी जांच हो, न्याय की दृष्टि से यह भी जरूरी है कि दोषी व्यक्तियों को कड़ी सजा मिले।

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में लोगों का उत्साह,उत्कृष्ट कार्य हमारी सबसे बड़ी ताकत:नरेन्द्र मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि विभिन्न क्षेत्रों में भारतीयों का उत्कृष्ट कार्य तथा भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का उत्साह देश की सबसे बड़ी ताकत है। जैन अंतरराष्ट्रीय व्यापार संगठन (जेआईटीओ) के 'इनक्यूबेशन इनोवेशन फंड' के सातवें स्थापना दिवस पर लिखित संदेश में मोदी ने कहा कि भारत के प्रति दुनियाभर में जिस तरह का आशावाद और भरोसा देखा जा रहा है, वह देश की ताकत को दिखाता है। मोदी ने कहा, भारत अपार संभावनाओं वाला देश है। विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले हमारे देशवासियों की भागीदारी और देश के विकास के लिए उनका उत्साह हमारी सबसे बड़ी ताकत है।प्रधानमंत्री ने प्रौद्योगिकी के उपयोग पर ध्यान केंद्रित करते हुए 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि विदेशी उत्पादों पर निर्भरता कम करना और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देना उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों में से एक है। मोदी ने कहा, आज का आशावाद और हमारी क्षमताओं में अटूट विश्वास अंतरिक्ष विज्ञान, रक्षा और व्यापार सहित सभी क्षेत्रों तक फैला हुआ है। जेआईटीओ जैसे संगठनों ने पिछले दशक में इन उपलब्धियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, और आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण में योगदान दिया है।जेआईटीओ इनक्यूबेशन एंड इनोवेशन फंड (जेआईआईएफ) ने छह और सात जुलाई को अपना वार्षिक 'इनोवेशन कॉन्क्लेव' आयोजित किया। इसका विषय था 'प्रभावकारी विचार- नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देना'। जेआईटीओ की अनुषंगी कंपनी जेआईआईएफ ने 80 कंपनियों में 200 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है और 25 से अधिक जैन उद्यमियों को प्रशिक्षित किया है।

सूरत में इमारत ढहने की घटना में मृतकों की संख्या सात हुई, एक व्यक्ति गिरफ्तार

सूरत। गुजरात के सूरत शहर में छह मंजिला इमारत ढहने की घटना में रात में छह और शव बरामद होने के बाद मृतकों की संख्या बढ़कर सात हो गई है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इमारत के किराएदारों से किराया वसूलने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया है और उस पर तथा इमारत के दो मालिकों पर गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार पाल इलाके में स्थित यह आवासीय इमारत जीर्ण-शीर्ण अवस्था में थी और शनिवार दोपहर करीब 2:45 बजे ढह गई।

सूरत पुलिस ने एक बयान में कहा कि बचाव अभियान में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की एक टीम, राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की दो टीम, पुलिसकर्मी और दमकलकर्मी शामिल थे। करीब तीन घंटे के अभियान के बाद वे कशिश शर्मा नाम की 20 वर्षीय महिला को निकालने में सफल रहे और उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। एक अधिकारी ने पहले बताया था कि शनिवार रात को एक व्यक्ति का शव निकाला गया। पुलिस के अनुसार बचाव दल ने बाद में मलबे से छह और शव निकाले। साचिन जीआईडीसी पुलिस थाने के निरीक्षक जिग्नेश चौधरी ने बताया कि रात भर चले अभियान में मलबे से कुल सात शव बरामद किए गए हैं।

बयान में कहा गया है कि मृतकों में से ज्यादातर मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के कपड़ा मजदूर थे। इंस्पेक्टर चौधरी ने बताया कि इमारत के मालिक राज काकड़िया और उनकी मां रमीलाबेन काकड़िया तथा निवासियों से किराया वसूलने वाले अश्विन वेकारिया के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि वेकारिया को गिरफ्तार कर लिया गया है और दो अन्य आरोपियों को पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

शिंदे सेना के वरिष्ठ नेता के बेटे की तेज रफ्तार कार ने महिला को बोनट पर 100 मीटर तक घसीटा, मौत

मुंबई । मुंबई के वर्ली में रविवार सुबह करीब 5:30 बजे एक तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू कार ने स्कूटर पर सवार एक जोड़े को टक्कर मार दी। इस घटना में महिला की मौत हो गयी। पुलिस ने बताया कि तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू मिहिर शाह के नाम पर पंजीकृत है, जो एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के वरिष्ठ नेता राजेश शाह का बेटा है, जो फिलहाल फरार है।

पुलिस ने बताया कि उन्होंने राजनेता और उनके ड्राइवर राजेंद्र सिंह बिजावत को हिरासत में ले लिया है। पुलिस ने नई आपराधिक संहिता भारतीय न्याय संहिता के तहत गैर इरादतन हत्या, लापरवाही से गाड़ी चलाने और सबूतों को नष्ट करने से संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। उन्होंने मोटर वाहन अधिनियम के प्रावधानों को भी लागू किया है।

पुलिस ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि मिहिर शाह ने कल रात जुहू के एक बार में शराब पी थी। घर लौटते समय उसने ड्राइवर से उसे लंबी ड्राइव पर लेकर जाने को कहा और फिर थोड़ी देर बाद उसने ड्राइवर से गाड़ी लेकर खुद चलाने पर जोर दिया। गाड़ी को अपने हाथ में लेते ही मिहिर ने एक स्कूटर को टक्कर मार दी। इसके बाद मची अफरा-तफरी में ड्राइवर और मिहिर कार लेकर घटनास्थल से भाग गए।

स्वाइन फ्लू फीवर के प्रकोप के मद्देनजर 310 सूअरों को मारा गया

नयी दिल्ली। केंद्र ने रविवार को कहा कि अफ्रीकी स्वाइन फीवर (एएसएफ) के प्रकोप के बाद केरल के त्रिशूर जिले में लगभग 310 सूअरों को मार दिया गया है। इस प्रकोप का पता मदक्कथरन पंचायत में चला जिसके बाद राज्य के पशुपालन विभाग ने तुरंत कार्रवाई की। केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि पांच जुलाई को इस क्षेत्र के एक किलोमीटर के दायरे में सूअरों को मारने के लिए त्वरित प्रतिक्रिया दलों को तैनात किया गया था।

यह देश में एएसएफ से निपटने के क्रम में नवीनतम घटना है, जो पहली बार मई 2020 में पूर्वोत्तर राज्यों असम और अरुणाचल प्रदेश में सामने आया था। तब से, यह बीमारी देश भर के लगभग 24 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में फैल गई है। मंत्रालय ने कहा, कार्य योजना के अनुसार प्रभावित क्षेत्र के 10 किलोमीटर के दायरे में आगे की निगरानी की जानी है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया, एएसएफ मनुष्यों में नहीं फैल सकता। हालांकि, एएसएफ के लिए टीके की कमी पशु रोगों के प्रबंधन में चुनौतियों को रेखांकित करती है।

वर्ष 2020 में तैयार की गई एएसएफ के नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्य योजना, प्रकोपों ??के लिए रोकथाम रणनीतियों और प्रतिक्रिया प्रोटोकॉल की रूपरेखा तैयार करती है।

विज्ञापन कार्यालय-130/4 - बाबू पुरवा कॉलोनी, किदवई नगर, कानपुर

नवीन गुप्ता (विज्ञापन प्रतिनिधि)

बीपीएस न्यूज समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) में विज्ञापन लगवाने के लिए संपर्क करें। मो. 9839625941

दीपावली व छठ पूजा की NEW SAHU FAMILY RESTAURANT

638y-1, Block Kidwai Nagar

Near -Dasu Kunwa Chauraha Noubasta Kanpur

Suresh Sahu

M.-8303637506, 9792526852

Web .site—www.sahufamilyrestaurant.com

Sahu

Jai Ambey Traders

संपादकीय

सत्संग संग मौत

उत्तर प्रदेश के हाथरस में मंगलवार को एक सत्संग के समापन के बाद मची भगदड़ में सौ से अधिक लोगों के मरने की घटना ने पूरे देश को विचलित किया। सिकंदराराऊ के निकट फुलरई के एक खेत में कथित हरि बाबा का एक दिवसीय सत्संग चल रहा था। बताते हैं जब बाबा का काफिला जाने लगा तो सेवादारों ने करीब पचास हजार से अधिक श्रद्धालुओं को रोक दिया। गर्मी व उमस वाली भरी दोपहर में सत्संग सुनने के बाद श्रद्धालु घर जाने को बेताब थे। फिर भगदड़ मच गई और जो गिरा वो उठ न सका। लोगों की चीख-पुकार को सुनने के लिये वहां पुलिस-प्रशासन की कोई व्यवस्था नहीं थी। नजदीकी जनपद एटा के अस्पतालों के बाहर लगे लाशों के अंबार हृदयविदारक थे। चारों तरफ करुण क्रंदन और अपनों को तलाशने की बेबसी थी। सौ से अधिक लाशों का ढेर देखकर आहत एक पुलिस कांस्टेबल का हार्टफेल होने से निधन हो गया। मरने वालों में अधिकांश महिलाएं थीं, वहीं कुछ पुरुष व बच्चे भी शामिल हैं। घायलों को हाथरस से लगते एटा अस्पताल भेजा गया है। हादसा बड़े आयोजन में सुरक्षा उपायों की अनदेखी पर सवाल उठाता है। सवाल यह भी है कि 17 साल पहले पुलिस की नौकरी छोड़कर कथावाचक बने बाबा में ऐसा क्या सम्मोहन था कि वहां मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश व हरियाणा तक से हजारों श्रद्धालु जुटे थे। अब जांच, मुआवजे तथा कार्रवाई की बात कही जा रही है। सवाल उठता है कि इतना बड़ा आयोजन बिना पुख्ता इंतजाम के किसकी अनुमति से किया जा रहा था? क्या सुरक्षा मानकों का पालन किया गया? क्या इतने बड़े आयोजन की सुरक्षा का जिम्मा पुलिस-प्रशासन का नहीं होता? जाहिर है मौतों के बढ़ते आंकड़ों के साथ ही घटना पर लीपापोती की कोशिश भी की जाती रहेगी। निस्संदेह, ऐसे बाबाओं की दुकान बिना राजनेताओं के वरदहस्त के चलनी संभव नहीं है।बहरहाल आने वाले दिनों में जांच के बाद किसी के सिर पर लापरवाही का ठीकरा फोड़ा जाएगा। मगर इन मौतों का कसूरवार कौन है? जिन लोगों ने अपनों को खोया है, उनकी कमी कैसे पूरी होगी? बताते हैं कि प्रवचन करने वाले बाबा नदारद हैं। कहा जा रहा है कि यह एक निजी कार्यक्रम था, कानून व्यवस्था के लिये प्रशासन की ड्यूटी लगाई गई थी, लेकिन आयोजन स्थल पर भीतरी व्यवस्था आयोजकों के द्वारा की जानी थी। बड़े अधिकारियों का घटना स्थल पर जाने का सिलसिला शुरू हो चुका है। लेकिन हकीकत है कि हम पिछले हादसों से कोई सबक नहीं सीखते। हाल के दिनों में भीड़भाड़ वाले धार्मिक आयोजनों में भगदड़ में लोगों के मरने के मामले लगातार बढ़े हैं। सवाल उठना स्वाभाविक है कि भीड़ के बीच होने वाले हादसों को कैसे रोका जाए। दो साल पहले माता वैष्णो देवी परिसर में भगदड़ में बारह श्रद्धालुओं की मौत हुई थी। अप्रैल 23 में बनारस की भगदड़ में 24 लोग मरे थे। इंदौर में पिछले साल रामनवमी के दिन बावड़ी की छत गिरने से पैंतीस लोग मर गये थे। इसी तरह 2016 में केरल के कोल्लम के एक मंदिर में आग लगने से 108 लोगों की मौत हुई और दौ से अधिक घायल हुए थे।

राजनीतिक अविश्वास से उपजा सत्ता पलट

संविधान संशोधन किया जायेगा। समानुपातिक चुनाव प्रणाली बदली जाएगी, नेपाली कांग्रेस गृह सहित 10 मंत्रालयों का नेतृत्व करेगी। यूएमएल को विज़ सहित नौ मंत्रालय मिलेंगे। कांग्रेस और यूएमएल तीन-तीन प्रांतीय सरकारों का नेतृत्व करेंगे, मगर मधेश में सरकार का नेतृत्व एक क्षेत्रीय पार्टी करेगी।' चपली हाइट रिसोर्ट से ही सन्देश जारी किया गया कि इस समझौते का अनुमोदन हम मंगलवार से करने जा रहे हैं, राष्ट्रीय सहमति की सरकार में माओवादियों को छोड़कर, जो शेष दल आना चाहते हैं, उनका स्वागत है। 'चपली समझौते' को सज़ा पलट का प्रयास कहा जाये, तो अनुचित नहीं होगा।ओली ने यह ब्रह्मास्त्र चलाया ज़्यों, उसके पीछे की वजह अविश्वास है।

बिहार के सहरसा में जन्मे गिरिजा प्रसाद कोइराला नेपाल में चार बार प्रधानमंत्री रहे। मई, 2008 में जब वह अंतरिम सरकार के कार्यकारी प्रधानमंत्री थे, तब भी अपनी इकलौती संतान सुजाता कोइराला को प्रधानमंत्री बनते देखना चाहते थे, लेकिन उनका यह सपना उनके साथ ही चला गया। नेपाली कांग्रेस की राजनीति आज भी स्वर्गीय गिरिजा प्रसाद कोइराला को केंद्र में रखकर की जाती है। उसका उदाहरण मंगलवार को तब देखने को मिला, जब कोइराला की 100वीं जयंती के अवसर पर एक फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। 'क्रांति से शांति तक' नामक फोटो प्रदर्शनी नेपाली कांग्रेस के केंद्रीय कार्यालय, सानेपा, ललितपुर में आयोजित किया गया था, जहां वर्तमान प्रधानमंत्री प्रचंड आये, और इसके प्रकारांतर 'पीएम इन वेटिंग', केपी शर्मा ओली भी पधारे। उस अवसर पर प्रचंड का नेपाली कांग्रेस के नेता शेर बहादुर देउबा से क्या संवाद हुआ, वह सार्वजनिक नहीं हुआ है। मगर, बुधवार सुबह प्रचंड ने घोषणा की, कि पहले संसद में विश्वास मत करा लेते हैं, फिर मैं कुर्सी छोड़ूंगा।एक साल 180 दिनों से प्रचंड सत्ता में हैं। तीसरे टर्म प्रधानमंत्री पद पर बने रहना कितना कठिन होता है, उसे यों समझा जाये कि अब तक उन्हें चार बार विश्वास मत हासिल करना पड़ा है। आखिरी बार 20 मई, 2024 को प्रचंड को विश्वास मत हासिल करना पड़ा था, तब उपेन्द्र यादव के नेतृत्व वाली जनता समाजवादी पार्टी ने अपना समर्थन वापस ले लिया था। बुधवार शाम एमाले ने समर्थन वापसी की घोषणा कर दी। उसके आठ मंत्री सरकार में थे, उन्होंने भी त्यागपत्र दे दिया। एमाले ने चौबीस घंटे के भीतर प्रचंड से प्रधानमंत्री पद छोड़ने को कहा है। प्रचंड ने सुबह ही मना कर दिया था कि फ्लोर टेस्ट के बाद ही सब तय होगा। संविधान के अनुच्छेद 100 (2) में कहा गया है कि यदि गठबंधन में कोई राजनीतिक दल अपना समर्थन वापस ले लेता है, तो प्रधानमंत्री 30 दिन के भीतर विश्वास मत के लिए प्रतिनिधि सभा में एक प्रस्ताव पेश करेंगे। अब सबको लग गया है कि प्रचंड आसानी से पद छोड़ने वाले नहीं।

सोमवार को जब 'सूर्य अस्त, नेपाल मस्त' था, तब रात सवा बारह बजे काठमांडो के बूढ़ा नीलकंठ स्थित चपली हाइट रिसोर्ट में नेकपा-एमाले (यूएमएल) और नेपाली कांग्रेस ने सत्ता परिवर्तन का समझौता किया था। चपली समझौते में तय हो गया कि बचे हुए टर्म के आधे कालखंड में केपी शर्मा ओली प्रधानमंत्री रहेंगे, और शेष समय शेर बहादुर देउबा प्रधानमंत्री की कुर्सी संभालेंगे।

लिखित सहमति के अनुसार, 'ओली नेपाली कांग्रेस और अन्य सीमांत दलों के समर्थन से नई सरकार का नेतृत्व करेंगे।

संविधान संशोधन किया जायेगा। समानुपातिक चुनाव प्रणाली बदली जाएगी, नेपाली कांग्रेस गृह सहित 10 मंत्रालयों का नेतृत्व करेगी। यूएमएल को वित्त सहित नौ मंत्रालय मिलेंगे। कांग्रेस और यूएमएल तीन-तीन प्रांतीय सरकारों का नेतृत्व करेंगे, मगर मधेश में सरकार का नेतृत्व एक क्षेत्रीय पार्टी करेगी।' चपली हाइट रिसोर्ट से ही सन्देश जारी किया गया कि इस समझौते का अनुमोदन हम मंगलवार से करने जा रहे हैं, राष्ट्रीय सहमति की सरकार में माओवादियों को छोड़कर, जो शेष दल आना चाहते हैं, उनका स्वागत है। 'चपली समझौते' को सत्ता पलट का प्रयास कहा जाये, तो अनुचित नहीं होगा।ओली ने यह ब्रह्मास्त्र चलाया क्यों, उसके पीछे की वजह अविश्वास है। प्रचंड अलग-अलग ठिकानों पर नेपाली कांग्रेस के नेताओं से बात कर रहे थे, यह खबर केपी शर्मा ओली को थी। एमाले के नेता प्रदीप कुमार ज्ञावाली ने बुधवार को कहा, 'पीएम प्रचंड राष्ट्रीय सर्वसम्मति वाली सरकार बनाने के लिए पिछले एक महीने से नेपाली कांग्रेस के नेताओं के साथ बातचीत कर रहे थे, जिससे अविश्वास की स्थिति पैदा हो गई। इसने अंततः हमें नेपाली कांग्रेस के साथ बातचीत शुरू करने के लिए मजबूर किया।' लेकिन केवल यही बात नहीं थी, राजदूतों की नियुक्तियों में भी दोनों नेताओं में तू-तू, मैं-मैं हुई थी।पांच टर्म प्रधानमंत्री रह चुके शेर बहादुर देउबा 26 दिसंबर, 2022 को सत्ता से बाहर हुए थे, उसी दिन केपी शर्मा ओली की पार्टी 'नेकपा-एमाले' की मदद से प्रचंड प्रधानमंत्री बन गए। लेकिन, ओली से पटरी बैठना प्रचंड के लिए भी आसान नहीं था। मंत्रालयों की फाइलें और राजदूतों की नियुक्तियां मतभेद का कारण बनती चली गईं। देश आर्थिक रूप से जर्जर और ज़रूरी वस्तुओं से अभावग्रस्त होने लगा। इंडस्ट्री धड़ाधड़ बंद होने लगी, मगर दोनों नेताओं में अहं का टकराव चरम पर था। ओली और दाहाल के बीच दरार की सबसे बड़ी वजह नेपाल प्रतिभूति बोर्ड (सेबन) में अध्यक्ष की नियुक्ति, झापा स्थित गिरीबन्धु चाय बगान भूमि स्केंडल में फंसे ओली, और भूटानी शरणार्थियों की कबूतरबाज़ी का मामला भी रहा है। तीन महीने से अधिक समय से सेबन चेयरमैन का पद ख़ाली है, जिससे अरबों रुपये के प्रतिभूति के आवेदन अटके पड़े हैं। दोनों नेता अपने भरोसे के आदमी को शिखर पर बैठाना चाह रहे थे। पांच उम्मीदवार शॉर्टलिस्ट किए गए। लेकिन जब कोई निष्कर्ष नहीं निकला, तो शुक्रवार को वित्त मंत्रालय ने 'सेबन' में अध्यक्ष की नियुक्ति को रद्द करने की घोषणा कर दी।

नेपाल में भूटानी शरणार्थियों को अमेरिका भेजने वाले रैकेट पर कोई भी खुलकर बोलने से परहेज कर रहा है, जिसमें कई दलों के नेता-दलाल-नौकरशाह फंसे हैं। इसमें एक शख्स बेचन झा का नाम आया था, जिसकी गिरफ्तारी टल रही थी। बेचन झा नेपाली कांग्रेस का आदमी बताया जाता है, जिसे कंचनपुर में 30 जून को दो करोड़ के चेक के साथ गिरफ्तार किया गया। कंचनपुर पूर्व परराष्ट्रमंत्री व कांग्रेस नेता नारायण प्रकाश सऊद की कांस्टिचुएंसी है, जिसने जांच एजेंसियों की दुविधा बढ़ा दी है।नेपाल में अगली सरकार दुरभिसंधि से ही चलेगी, यह तो स्पष्ट है। लेकिन संविधान संशोधन और समानुपातिक प्रणाली समाप्त करने का जो संकल्प 'चपली समझौते' में किया गया है, उसके लिए दो-तिहाई मत कहां से जुटा पाएंगे? 2008 से नेपाल में मिश्रित चुनावी प्रणाली लागू है, जिसमें 60 प्रतिशत प्रतिनिधि प्रत्यक्ष चुनाव से, और 40 प्रतिशत समानुपातिक प्रतिनिधित्व के ज़रिये चुने जाते हैं। यदि संविधान बदलना है, तो संशोधन के लिए निचले और ऊपरी सदन, दोनों में दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता है। निचले सदन में नेपाली कांग्रेस के 88, और एमाले के 78 सभासदों से बात बनेगी नहीं। इन्हें दो-तिहाई बहुमत के लिए 18 और सांसदों के समर्थन की आवश्यकता होगी।

भारत में दालों की कीमतों पर लगाम लगाना चाहिए

गोंदिया। वैश्विक स्तरपर हम देख रहे हैं कि हर देश में उपभोक्ताओं के हितों में अनेक कानून नियम विनियम बने हुए हैं जो सराहनीय हैं,परंतु यह सब कानून नियम विनियम तब धरे के धरे रह जाते हैं जब शासनप्रशासन व संबंधित प्रतिष्ठान की मिलीभगत हो जाती है, जिसका आधार हफ्ताखोरी, सेटिंग,भ्रष्टाचार व मिली भगत होता है यानें मिलबाटकर कानून की धज्जियां उड़ाई जाती है व उपभोक्ता बेचारा बेसहारा पड़ा रहता है। यह स्थिति हम भारत में करीब भर जिलास्तर पर देख सकते हैं।मैं अपने जिलास्तर पर जिला उपभोक्ता संरक्षण समिति जो शासकीय स्तर पर होती है उसमें मेंबर बन चुका हूं, तो देखा हूं कि अधिकारियों की रुचि उपभोक्ताओं की समस्याओं को सुलझाने की अपेक्षा मलाई मारने में अधिक होती है। याने अगर विभाग कहीं रेड मारने जाता है तो संबंधित प्रतिष्ठान के पास पहले ही फोन पहुंच जाती है,वह अपनी दुकान बंद कर चले जाते हैं या आपत्तिजनक माल हटा देते हैं यदि सैंपल उठाया जाता है तो सेटिंग,स्टॉक अधिक पकड़ा जाता है,तो सेटिंग यानी हर उस कानून को तोड़ने वाली क्रिया का उपचार भ्रष्टाचार,हफ्ताखोरी सेटिंग व मिलीभगत है,यही कारण है कि जिस अधिकारी का वेतन ही बहुत कम है तो वह लग्जरी लाइफ कैसे जी रहे हैं ?महंगे स्कूल में उनके बच्चे कैसे शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं ? बेतहाशा रियल एस्टेट उनके पास कहां से आई ?आज इन मुद्दों के प्रश्नों को सरकार ने ध्यान देने की जरूरत है।अगर हम सिर्फ संशोधित आदेश लागू करते रहेंगे तो उसमें उपभोक्ताओं का हित मेरा मानना है कि नहीं होगा,जो विचारणीय करने वाली बातहै,आज जरूरत है हर अधिकारी पर टारगेट केस देने का आदेश हो,हर जिले में अगर टारगेट केस दिए गए तो व्यापारी कानून का उल्लंघन करने से तौबा करेगा और उपभोक्ताओं का अपने आप भला हो जाएगा यह सब बातें आज हम इसलिए कर रहे हैं क्योंकि आज 21 जून 2024 को केंद्रीय उपभोक्ता कार्य खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने देर शाम एक आदेश जारी कर कानून के मुताबिक काबुली चना सहित तूअल और चना पर 30 सितंबर 2024 तक स्टॉक सीमा लागू की है,जो उद्योग खुदरा चिलर दुकानदार सहित सभी व्यापारियों पर लागू होगा, परंतु मेरा मानना है कि इसमें सेटिंग की बहुत संभावनाएं रहती है शासन को उस सेटिंग के एक विशेष गुप्त टीम बनानी होगी जो जिला उपभोक्ता अधिकारी कार्यालय पर नजर रखें।चूंकि भारत में दालों की कीमतों पर लगाम लगाने जमाखोरीसट्टेबाजी रोकने संशोधन आदेश 2024 लागू हो गया है,जो 30 सितंबर 2024 तक लागू रहेगा,इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,केंद्र व राज्य सरकारों द्वारा उपभोक्ताओं के हित मेंविनियमित नियम व कानून के समांतर संबंधित विभागों से सेटिंग हफ्ताखोरी व मिलीभगत चैनल को तोड़ना जरूरी है।साथियों बात अगर हम काबुली चना तुअल व चना पर स्टॉक सीमा बंदी आदेश की करें तो, इस आदेश के तहत, सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए 30 सितंबर, 2024 तक काबुली चना सहित तूर और चना के लिए स्टॉक सीमा निर्धारित की गई है। प्रत्येक दाल पर व्यक्तिगत रूप से लागू स्टॉक सीमा थोक विक्रेताओं के लिए 200 मीट्रिक टन; खुदरा विक्रेताओं के लिए 5 मीट्रिक टन; प्रत्येक खुदरा दुकान पर 5मीट्रिक टन और बड़ी श्रृंखला के खुदरा विक्रेताओं के लिए डिपो पर 200 मीट्रिक टन; मिल मालिकों के लिए उत्पादन के अंतिम 3 महीने या वार्षिक स्थापित क्षमता का 25 प्रतिशत,जो भी अधिक हो, होगी। आयातकों के संबंध में, आयातकों को सीमा शुल्क निकासी की तारीख से 45 दिनों से अधिक समय तक आयातित स्टॉक को अपने पास नहीं रखना हैसंबंधित कानूनी संस्थाओं को उपभोक्ता मामले विभाग के पोर्टल पर स्टॉक की स्थिति घोषित करनी है और यदि उनके पास मौजूद स्टॉक निर्धारित सीमा से अधिक है, तो उन्हें इसे 12 जुलाई, 2024 तक निर्धारित स्टॉक सीमा तक लानाहोगा।जमाखोरी और बेईमानसट्टेबाजी को रोकने तथा उपभोक्ताओं को किफायती दर पर तूर और चना की उपलब्धता को बेहतर बनाने के लिए भारत सरकार ने एक आदेश जारी किया है, जिसके तहत थोक विक्रेताओं, खुदरा विक्रेताओं, बड़ी श्रृंखला के खुदरा विक्रेताओं, मिल मालिकों और आयातकों के लिए दालों पर स्टॉक सीमा लागू की गई है। विनिर्दिष्ट खाद्य पदार्थों पर लाइसेंसिंग आवश्यकताओं, स्टॉक सीमाओं और आवागमन प्रतिबंधोंको हटाना(संशोधन) आदेश,2024 को आज अर्थात दिनांक 21 जून, 2024 से तत्काल प्रभाव से जारी किया गया है।साथियों बात अगर हम सरकार द्वारा आवश्यक वस्तुओं की कीमतों पर अंकुश लगाने की करें तो,तूर और चना पर स्टॉक सीमा लगाना सरकार द्वारा आवश्यक वस्तुओं की कीमतों पर अंकुश लगाने के लिए उठाए गए कदमों का हिस्सा है। उपभोक्ता मामले विभाग स्टॉक डिस्क्लोजर पोर्टल के माध्यम से दालों की स्टॉक स्थिति पर ध?यानपूर्वक नजर रख रहा था। विभाग ने अप्रैल, 2024 के पहले सप्ताह में राज्य सरकारों को सभी स्टॉक होल्डिंग संस्थाओं द्वारा अनिवार्य स्टॉक प्रकटन लागू करने के लिए संदेश भेजा था, जिसके बाद अप्रैल के अंतिम सप्ताह से 10 मई, 2024 तक देश भर में प्रमुख दलहन उत्पादक राज्यों और व्यापारिक केंद्रों का दौरा किया गया। व्यापारियों, स्टॉकिस्टों, डीलरों, आयातकों, मिल मालिकों और बड़ी श्रृंखला के खुदरा विक्रेताओं के साथ अलग-अलग बैठकें भी आयोजित की गईं ताकि उन्हें स्टॉक के वास्तविक प्रकटन और उपभोक्ताओं के लिए किफायती दर पर दालों की उपलब्धता बनाये रखने हेतु प्रोत्साहित और संवेदनशील बनाया जा सके।किसानों को अच्छी कीमत मिलने तथा भारतीय मौसम विभाग द्वारा सामान्य से अधिक मानसूनी बारिश की भविष्यवाणी के कारण इस मौसम में तूर और उड़द जैसी खरीफ दालों की बुआई में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है।इसके अतिरिक्त, पूर्वी अफ्रीकी देशों से अगस्त, 2024 से चालू वर्ष की तूर फसल का आयात शुरू होने की उम्मीद है।इन कारकों से आगामी महीने में तूर और उड़द जैसी खरीफ दालों की कीमतों में कमी लाने में मदद मिलने की उम्मीद है। ऑस्ट्रेलिया में चने की नई फसल की आवक है।

किशन सनमुख़दास भावनानी

श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती मनाई

कानपुर देहात। भारतीय जनता पार्टी कानपुर देहात ने सुबह डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती भाजपा पार्टी कार्यालय माती में मनाई गई। कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्रीय महामंत्री पूनम द्विवेदी जिला अध्यक्ष मनोज शुक्ला ने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी पंडित दीनदयाल जी के चित्र पर पुष्प अर्पण किया भाजपा ने प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक डॉ. मुखर्जी की जयंती पर उन्हें भावभीनी अक्षरांजलि अर्पित की। , जिला अध्यक्ष मनोज शुक्ला ने कहा भारत की एकता एवं अखंडता के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले, प्रखर राष्ट्रवादी विचारक, महान शिक्षाविद, जनसंघ के संस्थापक एवं हमारे पथ प्रदर्शक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर शत-शत् नमन। क्षेत्रीय महामंत्री पूनम द्विवेदी ने अपने संबोधन में कहा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जम्मू-कश्मीर को भारत का पूर्ण और अभिन्न अंग बनाना चाहते थे। संसद में अपने भाषण में उन्होंने अनुच्छेद-370 को समाप्त करने की भी जोरदार वकालत की। अगस्त 1952 में जम्मू-कश्मीर की विशाल रैली में उन्होंने अपना संकल्प व्यक्त किया था या तो मैं आपको भारतीय संविधान प्राप्त कराऊंगा या फिर इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए अपना जीवन बलिदान कर दूंगा। डॉक्टर मुखर्जी अपने संकल्प को पूरा करने के लिए 1953 में बिना परमिट लिए जम्मू-कश्मीर की यात्रा पर निकल पड़े। वहां पहुंचते ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।23 जून, 1953 को जेल में रहस्यमय परिस्थितियों में उनकी मृत्यु हो गई। उनको जेल के अंदर धीमा जहर दिया गया जेल में उनकी मृत्यु ने देश को हिलाकर रख दिया और परमिट सिस्टम समाप्त हो गया। उन्होंने कश्मीर को लेकर एक नारा दिया था-नहीं चलेगा एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान। आज के परिदृश्य में विदेशी शक्तियां जो भारत को मजबूत होते नहीं देखना चाहती हैं उन्होंने मौजूदा चुनाव में अरबो डॉलर एनजीओ के माध्यम से खर्च कर कर भारतीय जनता पार्टी को हराने का कुत्सित प्रयास किया और संविधान खत्म करने का फर्जी नारा देकर भारतीय जनता पार्टी को कमजोर करने का काम किया है लेकिन जनता सब जानती है जिला उपाध्यक्ष बृजेंद्र सिंह श्याम मोहन दुबे रामजी मिश्रा रामनरेश भदोरिया विजय मिश्रा अमित तिवारी सोनू सौरभ मिश्रा विशंभर सोनकर रामजी मिश्रा विकास मिश्रा जिला मीडिया प्रभारी परवेश कटियार आदि रहे।

नीट परीक्षों ने सरकारी एजेंसियों की पोल खोल कर रख दी

पंकज कुमार मिश्रा, व्यंग्यकार / पत्रकार जौनपुर, यूपी

नीट और नेट दोनों परीक्षाओं ने सरकारी एजेंसियों की पोल खोल कर रख दी। पेपर लीक को लेकर जो विवाद सामने आया है वह नया नहीं है आहिस्ता आहिस्ता उसका एक बड़ा स्वरूप कुछ गलतियों के कारण अब खुलकर सामने आया है। इससे पहले भी यह होता रहा पर सब गुपचुप तरीके से पर तब सारी व्यवस्था नीट और क्लीन ही समझी जाती रही। नीट परीक्षा की सुचिता पर अनगिनत सवाल उठाए गए। नीट में जो कुछ हुआ उसके तमाम सच सामने आ गए हैं किन्तु यदि कार्रवाई भी हुई तो वह किसी अदने कारखास पर होकर समाप्त हो जाएगी या पुन: परीक्षा की एक नौटंकी। आला अधिकारी एक बार फिर बच जायेगा राम गोविन्द चौधरी की तरह। तिकड़मी लोगों के गिरोह इस दस साल में इतने पनपे हैं कि उन्हें किसी का डर नहीं। इन तिकड़मी लोगों को विपक्ष से जोड़कर देखें तो यह इंगित करता है कि किस तरह हर तरह के षड्यंत्रों और घपलों की इसे खरीदने वालों को दी गई है। जब विज्ञापन 48 और 50 की हायर एजुकेशन के सीटे पचीस पचीस लाख में बिकने की खबर वायरल हुई उससे अब यें नीट या नेट परीक्षा में जो कारगुजारियां दिखाई दी हैं वह तो सामान्य ही लगती हैं।सब जांच के घेरे में आनी चाहिए। पर निष्पक्ष जांच की उम्मीद अब कहां है ? जहां तक पेपर लीक का मामला है वह नया नहीं है सब चल रहा है बरसों से उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश, गुजरात प्रदेशों की बोर्ड परीक्षाओं में जब शिक्षकों से यह कहा जाता है कि रिजल्ट बिगड़ा तो उसकी खैर नहीं तो वह विद्यार्थियों के लिए नकल की तरकीबें निकाल लेता है मेरिट चाहिए तो वह भी। आसान तरीका बता देता है कि फलां फलां सेंटर में इतने लाख जमा करो परीक्षा में बैठो और जैसा चाहो वैसा रिजल्ट बनाओ। ये सब खुलेआम होता रहा किसी पर कोई कार्रवाई नहीं हुई तो नीट जैसी परीक्षाएं कैसे अछूती रह सकती हैं। बड़ी राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा है बहुत मायने रखती हैं और बहुत कमाई का जरिया भी पनपती है।उत्तर प्रदेश 2011 टीईटी मेरिट घोटाला और मध्यप्रदेश प्रदेश में व्यापम काफ़ी चर्चित रहे। जो इस प्रकार के धांधली के जीते जागते गवाह थे। इसकी नाटकीय कितनी जांच पड़तालें चली पर सब धुआं बन के उड़ गई। सुधार ये हुआ कि व्यापम नाम बदल दिया गया और 2011 के योग्य बेरोजगार आज भी दर दर की ठोकरे खा रहें । पिछले सालों में यहां पटवारी भर्ती परीक्षा का हाल भी ठीक नीट की तरह ही था एक सेंटर से पांच छै ढपोरशंख मेरिट में आए, जाँच कराइये देखिए जितने लेखपाल बने है सब जुगाड़ से बने है ।ऐसे टॉपरो से ज़ब पत्रकार मिलने पहुंचे तो उनमें से चयनित उम्मीदवार सामान्य यूपी और मध्यप्रदेश की जानकारी और पेपर में आए सरल सवाल के उत्तर नहीं दे पाए मुंह चुराते रहे और कुछ भाग खड़े हुए। तब भी खूब विरोध हुआ पर हुआ कुछ नहीं वे सब सरकारी नौकरी शान से कर रहे हैं। बाकी पुलिस से पिटे लोग ठगे से घर में बैठे हुए हैं। इस दौर में चुनावों के आस पास वोट लालच में राज्यों में नौकरियां दबाव वश साज़िश के तहत खूब खूब निकाली जाती रहीं आवेदन के नाम पर बेरोजगार युवाओं से लंबी फीस वसूली गई। परीक्षाएं सालों बाद विलंब से हुई फिर पेपर आउट किए जाते रहे परीक्षाएं निरस्त होती रहीं 2011 के शिक्षक भर्ती परीक्षा के लिए तीन-तीन बार आवेदन शुल्क वसूला गया, करोड़ों लूट लिए गए बेरोजगार छात्रों से पर रोजगार किसी को नहीं मिला उनकी उम्र निकल गई। मिडिया ने इस मुद्दे को खूब सिलसिलेवार उछाला पर इक्का दुक्का परीक्षा के सिवा कोई बात नहीं बनी। आज़ नीट और नेट परीक्षा के प्रभावित छात्र आंदोलन रत हैं विपक्ष उनके साथ खड़ा है पर क्या इस सरकार से आप उम्मीद कर सकते ह

" जो पिछले ओवर एज बेरोजगार है उन्हें बुलाकर ससम्मान नौकरी दें सकती है ! ईडी, सीबीआई वगैरह कब ऑफिस बाबुओ और बड़े अधिकारीयों के घर छापेमारी करेंगी ! इस प्रणाली के ज़रिए येन-केन प्रकारेण फिर कोई सीन नहीं होगा क्या गारंटी ! नीट और क्लीन शिक्षा और रोजगार की हमारी उम्मीदें समाप्त है और युवाओं के भविष्य की बुनियाद ना केवल परीक्षाओं से बल्कि हमारे चर्चाओं से समाप्त हो जाएगी।

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 8423454502, bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि बी.पी.एस. न्यूज समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे। - सज़्पादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक, साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

सज़्पर्क करें -:
मो.: 8423454502
email:bps.knp786@gmail.com

केडीए में टॉप टू बॉटम फेरबदल

- सचिव से लेकर ओएसडी तक कामकाज में किए गए बदलाव
- सभी की जवाबदेही के साथ दी गई जिम्मेदारी
- उपाध्यक्ष मदन सिंह कार्यालय का प्रयोग

एक्सईएन अजय पंवार को चीफ इंजीनियर का चार्ज

प्रभारी मुख्य अभियंता आशु मित्तल के सेवानिवृत्त होने के बाद मुख्य अभियंता का चार्ज एक्सईएन अजय पंवार को दिया गया है। केडीए में एकलौते एक्सईएन के पास एक से लेकर जोन-4 तक का अभियंत्रण जोनल अधिकारी रहेंगे। सहायक अभियंता इनकी सहयोगी में रहेंगे।

बीपीएस न्यूज

कानपुर। केडीए उपाध्यक्ष मदन सिंह कार्यालय अपने फार्म में आते दिख रहे हैं। मंगलवार को प्राधिकरण में टाप टू बॉटम अधिकारियों एवं कर्मियों के कामकाज बदल दिए। इसके अलावा सभी को जवाबदेह बनाते हुए तैनाती दी गई है।

केडीए उपाध्यक्ष को भ्रष्टाचार रोकने के लिए कडी मशक्कत करने की आवश्यकता है क्यों कि कर्मचारियों और दलालों का गठजोड अभी भी हावी है ।उपाध्यक्ष द्वारा जारी के आदेश के अनुसार सचिव शत्रोहन वैश्य पूरे शहर का प्रवर्तन और अभियंत्रण का कार्य देखेंगे। अपर सचिव गुणाकेश शर्मा पूरे शहर का विक्रय और भवन का कार्य देखेंगे।इसी तरह से जोनल अधिकारियों में ओएसडी सत शुक्ला नवीन क्षेत्र जोन-1 का प्रवर्तन, विक्रय और लैंड बैंक दिया गया। ओएसडी रविप्रताप सिंह भी जोन-2 में उक्त कार्य देखेंगे।जोन-3 के ओएसडी अजय कुमार यही कार्य देखेंगे। जोन-4 में ओएसडी बृजेंद्र उपाध्याय कार्य देखेंगे। अजय कुमार माती प्रवर्तन भी देखेंगे। कार्मिक और किराया संपत्ति सत शुक्ला, संदर्भ बृजेंद्र उपाध्याय, मलिन बस्ती ओएसडी रविप्रताप सिंह के पास रहेगा।

अवर अभियंताओं की तैनाती में फेरबदल

जोन-1 अभियंत्रण में सहायक अभियंता अमनदीप तिवारी, नितिन भारद्वाज और जेई कैलाश सिंह, प्रवीन शर्मा रहेंगे। प्रवर्तन में एई संदीप मोदनवाल, जेएन पांडेय के साथ जेई जनार्दन सिंह, कैलाश सिंह रहेंगे

जोन-2 अभियंत्रण में सहायक अभियंता शैलेंद्र सिंह, अमन दीप तिवारी, मयंक यादव के साथ जेई सीबी पांडेय और प्रवीन शर्मा रहेंगे। प्रवर्तन में एई एसडी तिवारी के साथ जेई सीबी पांडेय रहेंगे।

जोन-3 अभियंत्रण में एई मयंक यादव, सुधांशु श्रीवास्तव के साथ जेई अरविंद उपाध्याय रहेंगे। प्रवर्तन में एई रंगनाथ सिंह के साथ जेई अरविंद उपाध्याय रहेंगे।

जोन-4 अभियंत्रण में एई साध्वी कुशवाहा, अतुल राया के साथ जेई प्रवीन शर्मा, पीके वर्मा रहेंगे। प्रवर्तन में एई सीके चतुर्वेदी के साथ जेई रामदास और पीके वर्मा रहेंगे। माती कानपुर देहात का प्रवर्तन एई सुधांशु श्रीवास्तव के साथ जेई रामदास देखेंगे।

हाथरस कांड: कानपुर में भोले बाबा के आश्रम पहुंची पुलिस, सेवादारों से की पूछताछ

बीपीएस न्यूज

कानपुर। हाथरस कांड के बाद फरार चल रहे नारायण साकार हरि उर्फ भोले बाबा के बिधनू थाना क्षेत्र स्थित आश्रम में पुलिस पहुंची। आश्रम में पुलिस को सिर्फ उनके सेवादार मिले। पुलिस ने सेवादारों से पूछताछ की और वापस लौट आई। वहीं पुलिस के आश्रम पहुंचने के बाद से ही गांव में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं।

हाथरस कांड के बाद से नारायण साकार हरि उर्फ भोले बाबा की तलाश जारी है। इसी सिलसिले में पुलिस कानपुर के बिधनू थाना क्षेत्र में करसुई गांव स्थित उनके आश्रम पहुंची, जहां सिर्फ उनके सेवादार ही मिले। पुलिस ने सेवादारों से बाबा के बारे में पूछताछ की। जानकारियां हासिल करने के बाद पुलिस ने आश्रम की तलाशी ली। जब बाबा आश्रम में नहीं मिले तो पुलिस ने सेवादारों से कहा कि बाबा आश्रम में आए तो फौरन पुलिस को सूचित करें।

बिधनू थाना प्रभारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि वह आश्रम में गए थे। उन्हें लोगो की समस्या के बारे में जानकारी मिली है। उन्होंने बताया कि आश्रम में सेवादार मिले थे। नारायण साकार हरि उर्फ भोले बाबा यहां नही आए हैं।

बाहर से आईं महिलाए हैं दहशत में

संगीता निवासी संधौली सजेती ने बताया कि वे 2019 से आश्रम से जुड़ी हैं। बाबा के दर्शन अभी नही हुए। महाराज जी को जुलाई या अगस्त में करसुई गांव में स्थित आश्रम आना था। वे 2 दिन पहले यहां आईं थीं। यहां का माहौल बहुत खराब है। इससे पहले जब वे आई थीं तो पूरा दिन पूजन भजन होता था लेकिन इस बार आने पर पता चला कि कल देर रात से आश्रम का दरवाजा भी नहीं खुला है ।नौरंगा घाटमपुर निवासी राजेश्वरी ने बताया कि उनकी बाबा के प्रति अटूट आस्था है। बाबा लोगों को हमेशा सदमार्ग मे चलने की राह दिखाते हैं। वहीं करसुई निवासी अतर सिंह यादव का कहना है कि जब आश्रम बन रहा था तो हम लोग सोच रहे थे कि गांव के बेरोजगार लोगों को रोजगार मिलेगा मगर अब तो कहानी यह है कि आश्रम के सामने से निकलना भी दुर्लभ है।

सजा के खिलाफ इरफान सोलंकी ने हाईकोर्ट में की अपील

सजा पर रोक लगाने की मांग की, जल्द होगी मामले में सुनवाई, 7 जून को सपा विधायक को सुनाई गई थी सात साल की कैद

बीपीएस न्यूज

कानपुर। आगजनी कांड में दोषी करार दिए गए सीसामऊ सीट के सपा विधायक इरफान सोलंकी व उसके भाई रिजवान ने गुरुवार को सजा के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की। सपा विधायक की ओर से सजा पर रोक लगाने की मांग की गई है। मामले में दोषी करार दिए गए अन्य तीन लोगों ने याचिका दाखिल नहीं की है।

डिफेंस कॉलोनी निवासी नजीर फातिमा की झोपड़ी में आग लगाने के मामले में 8 नवंबर 2022 को सपा विधायक इरफान सोलंकी, उसके भाई रिजवान, इजरायल आटेवाला, मो. शरीफ, शौकत अली, अनूप यादव, महबूब आलम, शमशुद्दीन उर्फ चच्चा, एजाजुद्दीन उर्फ सबलू, मो. एजाज, मुरसलीन भोलू, शकील चिकना के खिलाफ जाजमऊ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। इरफान सोलंकी, रिजवान, इजरायल आटेवाला, मो. शरीफ व शौकत अली के खिलाफ एमपीएमएलए सेशन कोर्ट में एक मार्च को ट्रायल पूरा हो चुका था।

3 जून को न्यायाधीश सत्येंद्र नाथ त्रिपाठी ने मामले में फैसला सुनाते हुए सपा विधायक समेत पांचों आरोपियों को आईपीसी की धारा 147, 323,436, 427 व 506 में दोषी करार दिया था। 7 जून को कोर्ट ने इरफान, रिजवान समेत पांचों दोषियों को सात-सात साल की सजा सुनाई थी। इरफान के अधिवक्ता शिवाकांत दीक्षित ने बताया कि फैसले के खिलाफ व सजा पर रोक लगाने की हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई है। जल्द सुनवाई की तिथि निर्धारित होगी।

प्रेस काउंसिल सदस्य श्याम पवार का मनाया गया जन्म दिवस

कानपुर निवासी वरिष्ठ पत्रकार श्याम सिंह पवार साप्ताहिक खबर जनसामना के संपादक भी हैं

बीपीएस न्यूज

कानपुर। भारतीय प्रेस परिषद के सदस्य वरिष्ठ पत्रकार श्याम सिंह पंवार का जन्मदिन उनके निवास व विभिन्न क्षेत्रों में पत्रकारो ने बड़ी धूम-धाम से मनाया। वही पत्रकार स्वप्निल तिवारी ने बताया कि आज हम लोगों ने पटका पहनाकर व केक काटकर जन्मदिन मनाया है यह ये एक नेकदिल इंसान हैं और अपने छोटे व बड़ों को पूरा सम्मान देते हैं और अपने छोटे भाई के रूप में पत्रकारिता कर रहे साथियों को पत्रकारिता के गुण बताते रहते हैं मैं इनके दीर्घ आयु एवं बेहतर स्वस्थ की कामना करता हूं कि ये हमेशा निरोगी रहें।

ये खबरों को हमेशा प्राथमिकता देते हैं और कोई भी छोटी बड़ी खबर इनसे छूट नहीं सकती है ।इन्होंने हमेशा गरीबों एवं मजलूमों की मदद की है। पत्रकार विशाल सैनी ने बताया कि इनकी लेखनी खोजपरक और तथ्यों से परिपूर्ण होती है।

पत्रकारिता के लम्बे सफर में अनेकों पत्रकारों को लिखने और खबरों को धार देने के गुण सिखाए है। कानपुर में ही नहीं बल्कि कई राज्यों में इनका सम्मान हो चुका है। वरिष्ठ पत्रकार श्याम सिंह पंवार ने बताया कि पत्रकारिता के इस गिरते स्तर के लिए पत्रकार स्वयं जिम्मेदार है,उसे अपने स्वयं में झांक कर इस गिरते हुए स्तर को सुधारना चाहिए और पत्रकारों को हमेशा जनहित में लेखन ज्यादा करना चाहिए जिससे समाज को एक नई दिशा और दशा मिल सके वही सोशल मीडिया में भ्रामक खबरों से बचे और उसकी पुष्टि करे तभी आगे प्रसारित करें। वही उन्होंने कहा कि कभी भी किसी भी समस्या या लेखन में मेरी कोई भी जरूरत हो तो मुझसे मदद ले सकते हैं। इस अवसर पर विशाल सैनी, स्वप्निल तिवारी, रितेश समुंद्रे, रोहित कश्यप, के के साहू, मो. आमिर, जितेंद्र बाल्मिकी आदि पत्रकार मौजूद रहे।

मेट्रो कॉरिडोर-2: एलिवेटेड सेक्शन के यू-गर्डर की ढलाई का काम शुरू

कानपुर ।मेट्रो के दूसरे कॉरिडोर (सीएसए से बर्रा-8 तक) के अंतर्गत बन रहे लगभग 4.5 किमी. लंबे एलिवेटेड सेक्शन में प्रयोग होने वाले यू- गर्डर्स की ढलाई का कार्य बुधवार को शुरू हो गया। नौबस्ता स्थित कास्टिंग यार्ड में गर्डर तैयार होंगे और सेक्शन में आकर उनकी कास्टिंग होगी।

यूपीएमआरसी के निदेशक वर्क्स एण्ड इंफ्रास्ट्रक्चर सीपी सिंह ने जल्द कार्य पूरा करने के निर्देश दिये। मेट्रो के कॉरिडोर -2 में एक दिन पहले इस सेक्शन की पाइलिंग का कार्य आरंभ किया गया था। सेक्शन में प्रयुक्त होने वाली प्री-कास्ट संरचनाओं जैसे पियर कैप्स, यू-गर्डर्स, डबल-टी गर्डर्स और आई-गर्डर्स की ढलाई नौबस्ता स्थित कास्टिंग यार्ड में होनी है ।इसी कास्टिंग यार्ड में कॉरिडोर-1 के बारादेवी-नौबस्ता एलिवेटेड सेक्शन के प्री-कास्ट संरचनाओं की ढलाई का कार्य भी पूरा किया गया था। प्रबंध निदेशक सुशील कुमार ने कहा कि, कॉरिडोर-1 पर तेजी से चल रहे हैं।

नेताओं से टटोली सीट की नब्ज, बंद कमरे में पूछा गणित

पदाधिकारियों, पार्षदों से जाना सीसामऊ का हाल, कोर ग्रुप की भी की बैठक, प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना व नितिन अग्रवाल ने बनाई सीट पर जीत की रणनीति

कानपुर। सीसामऊ विधानसभा में उप चुनाव के लिए प्रभारी बनाए गये वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना एवं आबकारी मंत्री स्वतंत्र प्रभार नितिन अग्रवाल ने गुरुवार को शहर आकर सीट की नब्ज टटोली। उन्होंने बंद कमरे में पदाधिकारियों, पार्षदों और कोर ग्रुप के साथ तीन अलग-अलग बैठक कर सीसामऊ सीट का गणित समझा। उन्होंने सीसामऊ के तीनों मंडल अध्यक्षों से पूछा कि पिछले विधानसभा चुनाव में किस बूथ पर भाजपा को कितना वोट मिला? किस बूथ पर हम जीते और किस पर हारे? 2024 लोकसभा में हार के कारण क्या रहे? सीट पर विधानसभा और लोकसभा के चुनाव मे क्या-क्या चुनावी मुद्दे रहे हैं। इस दौरान उन्होंने कमियों को पूरा करने के निर्देश दिये।

इससे पहले गंगा पुल पर उत्तर जिले के जिला अध्यक्ष दीपू पांडे ने पदाधिकारियों के साथ दोनों ही मंत्रियों का स्वागत किया। नवीन मार्केट पहुंचकर मंत्री सुरेश खन्ना एवं नितिन अग्रवाल ने भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मानवेंद्र सिंह एवं कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल के साथ पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्षों के साथ संगठनात्मक चर्चा कि शुरुवात की। सुरेश खन्ना ने कहा कि सभी कार्यकर्ताओं को एक-एक बूथ की जिम्मेदारी लेनी होगी।

मतदाता सूची चेक कर जिन मतदाताओं के नाम सूची से नहीं हैं या कोई त्रुटिवश कट गए हैं उन सभी मतदाताओं को आज से ही मतदाता बनाना है। उन्होंने कहा कि हमें सीसामऊ की हर एक बस्ती में एक प्रमुख कार्यकर्ता को लगाकर मतदाता सूची चेक करनी है। बस्ती का एक प्रमुख बनाया जाएगा, पूरे चुनाव में उसकी सिर्फ उसी बस्ती की जिम्मेदारी होगी। सुरेश खन्ना ने कहा कि हमें सिर्फ अपने मतदाता पर फोकस करना है ।सुरेश खन्ना ने बैठक के दौरान पार्षदों, सांसद रमेश अवस्थी और क्षेत्र के नेताओं से कहा कि सीसामऊ में जहां जो भी विकास कार्य किसी कारणवश रह गए हों या होने हो वह हमें संगठन के माध्यम से अवगत करा दें। जिनको अविलंब करवाया जाएगा। किन्हीं भी कारणवश कोई भी कमी रही है उनको पूरा करना हम सब की जिम्मेदारी है।

हर कीमत पर जीतनी है सीट

सीट में लगभग 20 से 25 साल हो गए हैं। आम जनता को पार्टी से बहुत उम्मीदें हैं। इसलिए हमें हर कीमत पर विधानसभा का उपचुनाव जीतना आवश्यक है। क्योंकि विधायक ना होने के कारण आप सभी को कुछ न कुछ दिक्कतों का सामना अवश्य करना पड़ता होगा। बैठकों में सांसद रमेश अवस्थी, उत्तर जिला के अध्यक्ष दीपू पांडे, शिवराम सिंह, अवधेश सोनकर, वीरेश त्रिपाठी, आनंद मिश्रा, अनुराग शर्मा, दीपक सिंह, नवाब सिंह, गौरव पांडे, अभिमन्यु सक्सेना, करन यादव रहे।

लायंस क्लब एकता का रजत जयंती समारोह संपन्न

कानपुर। लायंस क्लब एकता विशाल का रजत जयंती पर गेंजेस क्लब में डॉक्टर व सीए के सम्मान समारोह का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पंकज श्रीवास्तव ने बताया कि संस्था कई वर्षों से निरंतर समाज के लिए कार्य कर रही है मेरी कहीं भी जरूरत पड़े मैं सदैव संस्था के साथ खड़ा हूं। संस्था की अध्यक्ष सुषमा श्रीवास्तव ने बताया कि आज हमारी संस्था ने एलएलआर अस्पताल के सर्जन डॉ. सिद्धार्थ सिंह व सीए पवन शाहदादपुरी को सम्मानित किया है। वही उन्होंने बताया कि हमारी संस्था सभी वर्गों के लिए कार्य कर रही है। सचिव सुमन श्रीवास्तव ने बताया कि कि हमारे समाज के लिए हेल्थ और वेल्थ दोनों जरूरी है हमारी संस्था निरंतर समाज के लिए कार्य करती रहेगी। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से अध्यक्षा सुषमा श्रीवास्तव, सचिव सुमन श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष सीमा, बीना, ऐरन, मंजू, उत्तरा, पुष्पा, कंचन, अंजली, प्रतिभा, प्रीति, माधुरी, मोनिका, संघमित्रा आदि मौजूद रही।

हैलट में अवैध एंबुलेंस चालक मरीजों को बरगलाकर भेजते निजी अस्पताल

कानपुर ।जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के हैलट अस्पताल में अवैध रूप से दिनभर एंबुलेंसों का जमावड़ा लगा रहता है। एंबुलेंस चालक हैलट में आने वाले मरीजों को झूठ बोलकर कल्यानपुर, बर्रा, गोविंद नगर, रामादेवी समेत आदि जगहों के सेंटिंग वाले निजी अस्पतालों में भेजते हैं। शिकायतें आने पर बुधवार को स्वरूप नगर पुलिस ने आधा दर्जन एंबुलेंसों का चालान कर उनको इमरजेंसी से खदेड़ा तो चालकों ने ओपीडी के पीछे हैलट चौकी से तीन सौ मीटर की दूरी पर अपना नया ठिकाना बना लिया।

हैलट अस्पताल की इमरजेंसी और एपी डायग्नोस्टिक सेंटर के पास सुबह से लेकर रात तक अवैध रूप से निजी एंबुलेंस खड़ी रहती हैं, जिसकी वजह से 108 व 102 एंबुलेंस को निकलने में दिक्कत होती है और जाम लगता है। इमरजेंसी गेट के बाहर निजी एंबुलेंस चालक अपने साथियों के साथ मरीजों पर नजर बनाए रखते हैं और हैलट में खराब इलाज होने, सही जांच न होने आदि बातें बोलकर तीमारदार को बहलाते व फुसलाते हैं और अपने सेटिंग वाले निजी अस्पताल में पूरी सुविधा दिलवाने का झांसा देते हैं। निजी अस्पताल वाले इनको कमीशन देते हैं। इसकी जानकारी उच्चाधिकारियों को होने के बावजूद इनपर कार्रवाई नहीं होती। लगातार शिकायतों के बाद बुधवार को हैलट चौकी प्रभारी अरविंद कुमार ने पुलिस टीम के साथ अभियान चलाया तो मौके से कुछ चालक एंबुलेंस लेकर भाग गए, लेकिन जो भाग नहीं सके, उन आधा दर्जन निजी एंबुलेंसों का चलान पुलिस नेकिया। यह चालक अब पुलिस को चुनौती देते हुए इमरजेंसी के पास हटकर ओपीडी के पीछे मेटरनिटी विंग के साथ खड़े हो गए हैं।

केडीए के भ्रष्टाचार के खिलाफ राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी का थाली पीट कर प्रदर्शन

बिल्डर ने दो दर्जन से अधिक अपार्टमेंटों में कर रखे हैं अनाधिकृत निर्माण

कानपुर। राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी ने के.डी.ए. के भ्रष्टाचार के खिलाब थाली पीट कर प्रदर्शन किया और उपाध्यक्ष के नाम सम्बोधित ज्ञापन सौंप बिल्डर और भ्रष्ट कर्मचारियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग कि फरवरी में आई जी आर एस के माध्यम से बिल्डर के खिलाफ कार्यवाही और अनाधिकृत निर्माण गिराने की मांग की गयी थी। बिल्डर और के.डी.ए. कर्मचारियों की सांठ गंठ के चलते न तो बिल्डर के खिलाफ कार्यवाही हुयी और न ही अनाधिकृत निर्माण गिराया गया।राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार ने बताया कि 127/200 यू ब्लाक निराला नगर का बिल्डर शैलेन्द्र मिश्रा से दिव्यांग राजेश शुक्ला का बिल्डर एग्रीमेंन्ट हुआ था। बिल्डर ने पार्किंग की जमीन पर टू.बी.एच.के. का फ्लैट यह कहकर बना लिया था कि नक्सा के.डी.ए. से पास हो गया है

और सरदार गुरदीप सिंह को बेच दिया। रजिस्ट्री करने के लिये जब दिव्यांग राजेश शुक्ला ने भूतल के निर्मित फ्लैट का नक्सा मांगा तो बिल्डर ने कहा कि नक्सा पास नहीं है। राजेश शुक्ला ने टोकन मनी सरदार गुरदीप सिंह को वापस कर दी। उसके बावजूद बिल्डर शैलेन्द्र मिश्रा ने सरदार गुरदीप सिंह को फ्लैट में कब्जा दे दिया और रजिस्ट्री न करने पर दिव्यांग राजेश शुक्ला व उनकी पत्नी रोली शुक्ला के खिलाफ थाना किदवई नगर में रिपोर्ट दर्ज करवा दी। बिल्डर शैलेन्द्र मिश्रा ने शहर में दो दर्जन से अधिक अपार्टमेंटों में अनाधिकृत निर्माण करा रखा है।वीरेन्द्र कुमार ने कहा कि जल्द ही मामले में बिल्डर के खिलाफ कार्यवाही नही हुयी और अनाधिकृत निर्माण नही गिराया गया तो 12 जुलाई से कानपुर से लखनऊ मुख्यमंत्री आवास के लिये न्याय दिलाओ भ्रष्टाचार मिटाओ न्याय यात्रा शुरू करेंगे।आज प्रदर्शन व ज्ञापन देने वालों में राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार के अलावा जिला अध्यक्ष राहुल कुमार, प्रदेश अध्यक्ष आनन्द तिवारी, अल्पना कुमारी, अशोक कुमार, वैभव दीक्षित, मनोज कुमार त्यागी, उमाशंकर, राम आसरे पाण्डेय, गुड्डी दीक्षित, तृप्ति खरे,अनुराधा गुप्ता, सीमा कुशवाहा, गोमती, याशमीन, सरला, जितेन्द्र गुप्ता,आदि,लोग रहे।

पेंशनर्स फोरम ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौपा

कानपुर, पेंशनर्स फोरम कार्यकारिणी ने 8 सूत्री मांगों को लेकर जिलाधिकारी में जाकर ए सी एम के माध्यम से जिलाधिकारी को ज्ञापन सोपा ज्ञापन के दौरान कहां की पेंशनर फोरम की कार्यकारिणी बैठक 1 जुलाई को संपन्न हुई जिसमें कार्यकारिणी द्वारा निम्न समस्याओं पर विस्तृत रूप से चर्चा हुई समस्याओं को इस विश्वास के साथ आपको सममुख मांग पत्र के रूप में दिया जाता है हमारी मांगों का प्रमुखता के आधार पर समाधान करेंगे 18 महीने का बकाया महंगाई राहत भत्ता का भुगतान किया जाए, पुरानी पेंशन बहाल की जाए रेल किराए में वरिष्ठ नागरिकों को कारोना कल के पूर्व दी जाने वाली छूट बहस की जाए।

आईआईटी के कर्मचारी एवं सेवानिवृत कर्मचारियों को सीजीएचएस की सुविधा प्रदान की जाए आईआईटी के कर्मचारी एवं सेवा निवृत कर्मचारियों को सीजीएचएस की सुविधा प्रदान की जाए सभी पेंशनरों को 65 वर्ष की आयु में 5त्न, 70 वर्ष की आयु में 10त्न, 75 वर्ष की आयु में 15त्न, तथा 80 वर्ष की आयु में 20त्न कर्मचारी अतिरिक्त पेंशन बढ़ाने वाले विचाराधीन आदेश को जारी किया जाए पेंशन को आयकर से मुक्त किया जाए सेवानिवृत कर्मचारियों को 2 वर्ष में एक बार भारत भ्रमण की सुविधा प्रदान की जाए। ज्ञापन के दौरान आर के तिवारी राजेश कुमार शुक्ला साहबदीन यादव आनंद अवस्थी, बी एल गुलाबी मौजूद रहे।

कानपुर गौशाला समिति ने पुलिस कमिश्नर से की मुलाकात

कानपुर। कानपुर गौशाला समिति ने पुलिस कमिश्नर से भेंट की बताया कि गौशाला सोसायटी 136 वर्ष प्राचीनतम गौवंश संरक्षण कार्य में संलग्न संस्था है। जहां पर लगभग 1000 गौवंश का संरक्षण एवं उसके भरण-पोषण के लिये कार्य करती है। जिसके सहायतार्थ लगभग 700 बीघे की भूमि कानपुर नगर में स्थित है जिसकी पैमाइश और सुरक्षा आदि के लिये शासन द्वारा निर्देशित किया गया है।

प्रार्थी संस्था की भूमि स्थित भौती देशामऊ डेरा थाना सचेंडी कानपुर नगर (भारत पेट्रोलियम के सामने) जगत गुड़िया पुत्र मंगु निवासी भौती देशामऊ डेरा थाना सचेंडी कानपुर नगर बलपूर्वक दबंगई के साथ कब्जा करके निर्माण कर रहे हैं।पूर्व में भी आपसे कानपुर गौशाला सोसाइटी का एक प्रतिनिधि मण्डल मिलकर अनुरोध कर चुका है कि कानपुर गौशाला सोसाइटी की जमीनों में भूमाफिया व दबंग लोग कब्जे करने का प्रयास करते रहते है।इस सम्बंध में आपके द्वारा जिलाधिकारी कानपुर नगर को भी दो बार आदेश दिया गया कि पुलिस व राजस्व टीम संयुक्त गठन कर गौशाला की जो जमीन है उसको चिहिन्त करे।

परन्तु आपका आदेश 17 जनवरी 2024 का अनुपालन नही हो पाया है जिससे भूमाफियों व कब्जा करने वालो के हौसले बढे रहते है इसी कारण जगत कश्यप जो अपराधी प्रवृत्ति का है वह निरन्तर गौशाला की जमींन पर कब्जा करने का प्रयास करता रहता है जबकि स्थानीय पुलिस द्वारा उसको कई बार कब्जा करने से रोका गया है वह रूक जाता है कुछ समय बाद पुन: कब्जा करने लगता है।राजस्व टीम द्वारा जो जगह चिन्हित कर दी जाएगी उसमें गौशाला द्वारा बाउण्ड्रीवाल बनवाने का प्रयास किया जाएगा।

काशी प्रसाद शर्मा उपसभापति श्रीकृष्ण गुप्ता बब्बू मंत्रीधर्मप्रकाश गुप्त संरक्षक ,नीरज प्रकाश दीक्षित सदस्य कार्यसमिति,डा0 दिवाकर मिश्रा सदस्य कार्यसमिति,रमेश चन्द्र मिश्रा सदस्य कार्यसमिति, इत्यादि लोग मौजूद रहे!

सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव के जन्मदिन पर गंगा बैराज पर पौधारोपण

राहगीरों को मिष्ठान वितरण किया गया

कानपुर। समाजवादी पार्टी के सुप्रीमो अखिलेश यादव के जन्म दिवस पर प्रदेश सचिव आशीष चौबे के नेतृत्व में पीडीए पेड़ पौधारोपण पर्यावरणिक सामाजिक आंदोलन की शुरुआत गंगा बैराज स्थित पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा स्थल स्थित पार्क में नीम व पीपल वह बरगद के पेड़ लगाकर वह प्रतिमा स्थल पर ही कैक काटकर और राहगीरों को मिष्ठान वितरण कर धूम धाम से मनाया गया।

प्रदेश सचिव आशीष चौबे ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष जी के जन्मदिन पर इस पर्यावरणिक सामाजिक आंदोलन की शुरुआत को आगामी चरणों में राष्ट्रव्यापी आंदोलन बनाने का प्रयास किया जाएगा वर्तमान में हर तरफ फैले हुए तरह-तरह के प्रदूषण को दूर करने के लिए आवश्यकता पेड़ों की है शाखोंओ कि नहीं जब पौधों की जड़ जमीन पकड़ लेती है तो शाखाएं पत्तियां फूल फल सब अपने आप प्राप्त होता है और वह शाखाएं प्राकृतिक होती हैं इसलिए आवश्यकता जमीन से जुड़े पेड़ों की है मनुष्य निर्मित शाखोंओ कि नहीं।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्रदेश सचिव आशीष चौबे प्रबुद्ध सभा के महानगर अध्यक्ष ऋषि दुबे , पुस्पैंद्र यादव, हरिओम पांडे राजू पाल,अब्दुल समी साह , किसलय दीक्षित,विकाश राघव चंदेल, पंकज बाथम ,मोहन यादव,राजेन्द्र खरै,सोहन लाल, राजू खन्ना, डी के बाथम,संदीप यादव, मन्नू पाल, राना खान,आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे!

अधिवक्ताओं का आंदोलन खत्म, कचहरी गुलजार

कानपुर बार एसोसिएशन एवं दि लायर्स एसोसिएशन का कानपुर पुलिस से चल रहा था गतिरोध

बीपीएस न्यूज

कानपुर।कानपुर बार एसोसिएशन एवं दि लायर्स एसोसिएशन के निर्णयानुसार पुलिस कमिश्नरेट की कार्य प्रणाली के विरोध में चलाये जा रहे आन्दोलन के क्रम में कानपुर के समस्त अधिवक्तागण अनवरत रूप से दिनांक 29.06.2024 से न्यायिक कार्य से विरत चल रहे थे।इसी क्रम में दिनांक 05.07.2024 तक सभी अधिवक्तागण न्यायिक कार्य से विरत रहे तथा कानपुर पुलिस आयुक्त से बार एसोसिएशन के प्रतिनिधि मण्डल की भेंट वार्ता के उपरान्त जनपद न्यायाधीश महोदय के यहाँ हुई समन्वय समिति की बैठक में लिये गये निर्णय के अनुसार बार एसोसिएशन एवं लायर्स एसोसिएशन द्वारा कमिश्नरेट प्रणाली को लेकर जो 7 मांगो का प्रतिवेदन दिया गया था उसके क्रम में पुलिस कमिश्नरेट द्वारा सभी माँगो को मान लिया गया है और उक्त मांगो के सम्बन्ध में कार्यालय अपर पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था कमिश्नरेट कानपुर नगर का सहमति पत्र भी बार एसोसिएशन को प्राप्त हो गया है।पुलिस कमिश्नरेट कार्यालय का सहमति पत्र प्राप्त होने के उपरान्त बार एसोसिएशन हाल में आन्दोलन के क्रम में गठित की गयी।संघर्ष कमेटी व विधिक कमेटी के सदस्यो की बैठक हुई जिसमें उक्त सहमति पत्र को रखा गया सभी उपस्थित सदस्यों द्वारा पुलिस कमिश्नर को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए हर्ष जताया गया। साथ ही वरिष्ठ अधिवक्ता बृज नारायण निषाद का जमानतीय प्रार्थना पत्र भी निस्तारित हो गया है। अधिवक्ता महोदय को जमानत मिल गयी है।

इस पर भी अधिवक्ताओं द्वारा हर्ष जताया गया। संघर्ष कमेटी व विधिक कमेटी के सदस्यो की राय परामर्श के उपरान्त कानपुर बार एसोसिएशन एवं दि, लायर्स एसोसिएशन द्वारा सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया कि पुलिस कमिश्नरेट प्रणाली में सुधार को लेकर जो आन्दोलन प्रारम्भ किया गया था। उसे समाप्त किया जाता है। सभी अधिवक्ता नियमित रुप से पूर्व की भाँति अपना विधि व्यवसाय प्रारम्भ करेगें।बैठक में प्रमोद कुमार द्विवेदी अध्यक्ष बार एसोसिएशन, श्याम नारायन सिंह अध्यक्ष लायर्स एसोसिएशन, आदित्य कुमार सिंह महामंत्री बार एसोसिएन एवं अभिषेक तिवारी महामंत्री लायर्स, अविनाश चन्द्र बाजपेई पूर्व अध्यक्ष दि लायर्स एसोसिएशन, रवीन्द्र शर्मा पूर्व अध्यक्ष दि, लायर्स एसोसिएशन, अजीत शुक्ल पूर्व अध्यक्ष बार एसोसिएशन, हरिप्रसाद यादव पूर्व अध्यक्ष बार एसोसिएशन, भानु प्रताप सिंह पूर्व महांत्री बार एसोसिएशन, कपिलदीप सचान पूर्व महामंत्री बार एसोसिएशन, वरिष्ठ अधिवक्ता कमलेश पाठक, रवीन्द्र वर्मा, शिशिर कुमार पाण्डेय, राहुल गुप्ता, प्रीती त्रिपाठी, कंचन गुप्ता, प्रतीक शर्मा आदि अधिवक्ता मौजूद थे।

आपातकाल में जेल काटने वालों को किया गया सम्मानित

कानपुर। कांग्रेस सरकार द्वारा 1975 में लगाए गए आपातकाल के दौर को भाजपा ने काले दिवस के रूप में मनाया। इस दौरान संगठन की ओर से आपातकाल के दौरान जेल गए बुजुर्गों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। पुखरायां नगर पालिका यह आयोजन किया गया।

इसमे मुख्य अतिथि के रूप कैबिनेट मंत्री राकेश सचान की पत्नी सीमा सचान और भाजपा पदाधिकारी मौजूद रहें। सीमा सचान ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मानित कर हमें गर्व महसूस हो रहा है। 1975 में आज ही के दिन आपातकाल के विरोध में जेल भरो आंदोलन किया गया था। तत्कालीन इंदिरा सरकार के दौरान लगाए गए आपातकाल के दौरान बहुत से नेता जेल गए थे।लोकतंत्र सेनानियों ने उस दौर की पीड़ा को मौजूद लोगों से साझा किया। भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष व लोकतंत्र सेनानी श्यामसिंह सिसोदिया, वंशलाल कटियार, संतोष, धीरज सचान ने संबोधित करते हुए कहा कि लोकतंत्र

इंदिरा गांधी की निरंकुश सरकार ने इसके जरिए अपने राजनीतिक विरोधियों को कुचलने का काम किया। जिसकी जानकारी वर्तमान में आम नागरिकों को होना जरूरी है। लोकतंत्र सेनानी वीरेंद्र, प्रेमशंकर सचान, तेज सिंह, जगराम सिंह, कृपाशंकर, मोहम्मद रसीद, शैलेंद्र कुमार, महेश चंद्र, बलवंत सिंह सचान, चंद्रकिशोर सचान, कृष्ण कुमार, प्रभाष चंद्र सचान, मूलचंद, अनिल कुमार सहित सम्मानित किया गया। संयोजक नीरज पांडेय, नगरपालिका अध्यक्ष पूनम दिवाकर, भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष रेणुका सचान, डिंपल सचान, करूणा शंकर दिवाकर, अक्षय त्रिवेदी, मंडल अध्यक्ष मुकुल पांडेय, पंकज सचान आदि रहे।

रथ यात्रा के दौरान 2 दिन की सरकारी छुट्टी का ऐलान, सीएम ने की घोषणा

भगवान जगन्नाथ की शुभ रथ यात्रा से पहले ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने मंगलवार को इस कार्यक्रम के लिए 7 और 8 जुलाई को दो दिवसीय अवकाश की घोषणा की, जो 53 वर्षों के बाद एक विशेष अवसर है जब 'नबजौबाना दर्शन', 'नेत्र उत्सव' मनाया जाएगा। और 'रथ यात्रा' एक ही दिन पड़ रही हैं। सीएम माझी ने मंगलवार को एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की और भगवान जगन्नाथ और उनके भाई-बहन, सुभद्रा और बलराम की वार्षिक रथ यात्रा के लिए की गई तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में दोनों उपमुख्यमंत्रियों, केवी सिंह देव और पार्वती परिदा के साथ-साथ कई मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। यह बैठक रथ यात्रा के सुचारू संचालन के लिए अंतिम समन्वय बैठक थी।

माझी ने दो दिवसीय उत्सव के महत्व पर प्रकाश डाला जो आखिरी बार 53 साल पहले 1971 में मनाया गया था। सीएम माझी ने राज्य में नई भाजपा सरकार के कार्यकाल की शुरुआत के साथ मेल खाने वाले आयोजन के आशीर्वाद और शुभ समय पर जोर दिया। माझी ने कहा कि चूंकि रथ यात्रा दो दिनों तक चलेगी, मैं संबंधित अधिकारियों को इन दिनों सार्वजनिक अवकाश घोषित करने का निर्देश देता हूं।卐 उन्होंने सभी अधिकारियों से पुरी और ओडिशा के गौरव को बनाए रखने के लिए त्योहार के सुचारू कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू रथ यात्रा समारोह में भाग लेंगी. अधिक जानकारी देते हुए सीएम माझी ने कहा कि राष्ट्रपति के 6 जुलाई की शाम को पुरी पहुंचने और 7 जुलाई को उत्सव और रथ खींचने में भाग लेने की संभावना है। सीएम माझी ने समय पर अनुष्ठान और 'रथ यात्रा', 'नबजौबाना दर्शन' और 'नेत्र उत्सव' के सफल समापन के लिए सभी हितधारकों से सामूहिक सहयोग का भी आह्वान किया।

121 से ज्यादा की मौत, फिर भी एफआईआर में 'भोले बाबा' का नाम नहीं, एफआईआर में कई बड़े खुलासे

उत्तर प्रदेश पुलिस ने बुधवार, 3 जुलाई को हाथरस में धार्मिक मण्डली के आयोजकों के खिलाफ पहली सूचना रिपोर्ट दर्ज की, जहाँ भगदड़ के बाद कम से कम 121 लोगों की मौत हो गई। हालाँकि, एफआईआर में बाबा नारायण हरि, जिन्हें साकार विश्व हरि भोले बाबा के नाम से भी जाना जाता है, का नाम आरोपी के रूप में नहीं है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मंगलवार देर रात सिकंदर राव पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई पहली सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) में 'मुख्य सेवादार' (मुख्य आयोजक) देवप्रकाश मधुकर और अन्य आयोजकों का नाम लिया गया है।

जानकारी के मुताबिक एफआईआर भारतीय न्याय संहिता की धारा 105 (गैर इरादतन हत्या), 110 (गैर इरादतन हत्या का प्रयास), 126 (2) (गलत तरीके से रोकना), 223 (लोक सेवक द्वारा विधिवत आदेश की अवज्ञा), 238 (सबूतों को गायब करना), के तहत दर्ज की गई है। राहत आयुक्त कार्यालय के अनुसार, बुधवार को इस घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर 121 हो गई, जबकि 28 लोग घायल हुए हैं। हाथरस भगदड़ मामले में दर्ज की गई एफआईआर के अनुसार, सत्संग का आयोजन सूरज पाल ने किया था, जिन्हें नारायण हरि, साकार विश्व हरि भोले बाबा या बस 'भोले बाबा' के नाम से भी जाना जाता है, जो कि हाथरस के फुलराई मुगलगढ़ी गांव में जीटी रोड के पास थे।

देवप्रकाश मधुकर ने करीब 80 हजार लोगों के लिए प्रशासन से इजाजत मांगी थी और प्रशासन ने उसी हिसाब से यातायात और सुरक्षा व्यवस्था की. हालाँकि, लगभग 2.5 लाख लोग 'सत्संग' में एकत्र हुए, जिससे सड़क पर भारी यातायात पैदा हो गया और वाहनों की आवाजाही रुक गई, जैसा कि एफआईआर में कहा गया है।

सत्संग खत्म होने के बाद बेकाबू भीड़ के आयोजन स्थल से चले जाने के कारण जो लोग जमीन पर बैठे थे, वे कुचल गये। एफआईआर में कहा गया है कि आयोजन समिति के सदस्यों ने पानी और कीचड़ से भरे खेतों में चल रही भीड़ को जबरन रोकने के लिए लाठियां चलाईं, जिससे भीड़ का दबाव बढ़ता गया और महिलाएं, बच्चे और पुरुष कुचले जाते रहे।

इसमें यह भी कहा गया कि मौके पर मौजूद पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने हर संभव प्रयास किया और उपलब्ध संसाधनों से घायलों को अस्पताल पहुंचाया लेकिन आयोजकों की ओर से कोई सहयोग नहीं किया गया।

हाथरस हादसे से बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने लिया सबक, बर्थडे पर भक्तों को दूर रहने के लिए कहा!

हाथरस में बाबा साकार हरि के सत्संग में 121 लोगों की मौत ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया है. भीड़-भाड़ वाली जगहों से लोगों को डर लगने लगा है. इस बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने भक्तों से एक अपील की है. दरअसल 4 जुलाई को बाबा बागेश्वर का जन्मदिन. इस दिन हर साल आश्रम में उनके भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है. इस साल भी बागेश्वर धाम में यही नजारा देखने को मिल रहा. भारी भीड़ और भक्तों की सुरक्षा को देखते हुए धीरेंद्र शास्त्री ने अपील की है कि वे (भक्त) जहां हैं वहीं से उत्सव मनाएं.

बाबा बागेश्वर की भक्तों से अपील-बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र शास्त्री किसी परिचय के मोहताज नहीं है. देश-दुनिया में उनके लाखों-करोड़ों अनुयायी हैं. उनकी कथा सुनने के लिए लोग हमेशा लालायित रहते हैं. बीते कुछ सालों में बाबा बागेश्वर की फैन फालोइंग में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है. इसकी जीती जागती तस्वीर इस वक्त बागेश्वर धाम में देखने को मिल रही है. गौर करने वाली बात यह है कि इस साल भक्तों की संख्या अचानक इतनी बढ़ गई है कि धीरेंद्र शास्त्री वीडियो संदेश जारी करना पड़ा है. उन्होंने एक्स पर वीडियो पोस्ट किया है.

धीरेंद्र शास्त्री का वीडियो पोस्ट-उन्होंने वीडियो पोस्ट कर कहा कि बागेश्वर धाम में उत्सव के पुख्ता इंतजाम किए गए थे. लेकिन भक्त एक जुलाई से ही बागेश्वर धाम पहुंच रहे हैं. और अब भी भक्तों का आना लगा हुआ है. सारी बंदोबस्त होने के बाद भक्त इतनी संख्या में आ गए हैं कि असुविधा की चिंता होने लगी है. धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि ऐसी स्थिति में मैं भक्तों से प्रर्थना करता हूं.. निवेदन करता हूं.. अपील करता हूं कि वे जहां हैं, वहीं से हनुमान चालीसा पढ़कर और वृक्षारोपण कर उत्सव मनाएं.

अभिनेता सलमान खान मामले में नया खुलासा, मारने के लिए पाकिस्तान से आने थे हथियार

अभिनेता सलमान खान को मारने की कोशिश के मामले में चार्जशीट दायर कर दी गई है। लॉरेंस बिश्नोई गैंग के गिरफ्तार पांच आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दायर की गई है। सूत्रों के मुताबिक पुलिस की चार्जशीट में बताया गया है कि सलमान खान को मारने के लिए 25 लाख रूपए की सुपारी दी गई थी। नवी मुंबई पुलिस द्वारा दायर आरोपपत्र में आगे कहा गया है कि आरोपी, जो जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के गिरोह से हैं, सलमान खान को मारने के लिए आधुनिक हथियार हासिल करने की योजना बना रहे थे।

14 अप्रैल को मुंबई के पॉश इलाके बांद्रा में सलमान खान के आवास के बाहर मोटरसाइकिल पर दो लोगों ने कई राउंड फायरिंग की। गैंग ने सलमान खान पर पनवेल स्थित उनके फार्महाउस के पास हमला करने की योजना बनाई थी। गिरोह की योजना विदेश से हथियार मंगाने की थी। जांच से पता चला है कि गिरोह का इरादा अभिनेता को तुर्की निर्मित जिगाना पिस्तौल से मारने का था, जिसका इस्तेमाल 2022 में पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला को गोली मारने के लिए किया गया था। आरोपियों में से एक ने पूछताछ के दौरान खुलासा किया कि वह अभिनेता पर कथित हमले को अंजाम देने के लिए एम16, एके-47 और एके-92 राइफल खरीदने के लिए पाकिस्तान में एक हथियार डीलर के संपर्क में था।सलमान खान के घर के बाहर फायरिंग के मामले में पुलिस ने लॉरेंस बिश्नोई और उनके छोटे भाई अनमोल बिश्नोई समेत 17 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है. लॉरेंस बिश्नोई फिलहाल अहमदाबाद की साबरमती जेल में बंद है। जोन द्बद्ध (पनवेल) के पुलिस उपायुक्त विवेक पानसरे ने कहा कि पनवेल पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ निरीक्षक को सितंबर-अक्टूबर 2023 में सलमान पर हमले की साजिश के बारे में इनपुट मिला था।

असामाजिक तत्वों ने मचाई भगदड़ : भोले बाबा

बाबा नारायण साकार हरि ने हाथरस कांड पर अपना पहला बयान जारी किया है, जिसमें मंगलवार को भगदड़ मचने से 121 लोगों की मौत हो गई थी। बयान में उन्होंने इस दुखद घटना के लिए 'असामाजिक' तत्वों को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की है। एसडीएम की एक प्रारंभिक रिपोर्ट में कहा गया है कि नारायण साकार हरि के अनुयायियों को भगवान की सुरक्षा द्वारा धक्का दिए जाने के बाद अराजकता फैल गई थी और फिसलन ढलान के परिणामस्वरूप भगदड़ हुई जिसमें 121 लोग मारे गए।एक आधिकारिक बयान जारी करते हुए भोले बाबा ने घटना पर अपनी संवेदना व्यक्त की और दावा किया कि उनके कार्यक्रम स्थल से निकलने के काफी देर बाद अराजकता फैल गई। गॉडमैन ने भगदड़ के लिए असामाजिक तत्वों को भी दोषी ठहराया, जिसके परिणामस्वरूप लोगों की जान चली गई। नारायण सरकार हरि द्वारा जारी बाद में कहा गया, मैं/हम मृतकों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने के लिए प्रभु/परमात्मा (भगवान) से प्रार्थना करते हैं। उन्होंने दावा किया कि दावा किया कि असामाजिक तत्वों द्वारा भगदड़ मचाई गई और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मेरे सामने सीधे और पीएम मोदी के सामने झुक जाते, ओम बिरला पर राहुल गांधी का बयान

लोकसभा के एक नाटकीय सत्र में, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पद के लिए आवश्यक निष्पक्षता पर जोर देते हुए अध्यक्ष ओम बिरला पर अपनी तीखी टिप्पणी से नया मुद्दा सामने ला दिया। गांधी ने अपने आलोचनात्मक बयान में कहा कि अध्यक्ष महोदय, जब आपको कुर्सी पर बैठाया गया तो मैं आपके साथ चलकर आपकी कुर्सी तक गया। आप लोकसभा के अंतिम मध्यस्थ हैं। आप जो कहते हैं वह मूल रूप से भारतीय लोकतंत्र को परिभाषित करता है।

राहुल गांधी ने कहा कि अध्यक्ष महोदय, कुर्सी पर दो लोग बैठे हैं, लोकसभा अध्यक्ष और ओम बिरला। जब मैंने आपसे हाथ मिलाया तो आपने सीधे खड़े होकर मुझसे हाथ मिलाया। जब मोदी जी ने आपसे हाथ मिलाया तो आप झुक गये। इस टिप्पणी पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तत्काल प्रतिक्रिया व्यक्त की, जिन्होंने गांधी पर कुर्सी का अपमान करने का आरोप लगाया। इसके बाद स्पीकर ओम बिरला ने गांधी की टिप्पणियों को सीधे संबोधित किया और उनके कार्यों के बारे में बताया।ओम बिरला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सदन के नेता हैं। मेरा संस्कार कहता है कि जो हमसे बड़े हैं उन्हें झुक के नमस्कार करो और बराबर वालो से सीधे खड़े होके। सधी हुई प्रतिक्रिया में, गांधी ने अध्यक्ष के शब्दों के प्रति अपना सम्मान दोहराया लेकिन अध्यक्ष की भूमिका के महत्व पर अपना रुख बरकरार रखा। गांधी ने कहा, 卐मैं आपके शब्दों का सम्मान करता हूं, लेकिन इस सदन में अध्यक्ष से बड़ा कोई नहीं है।卐

संसद की संयुक्त बैठक में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान बोलते हुए कांग्रेस नेता ने भगवान शिव की तस्वीर उठाई और कहा कि उनका संदेश निर्भयता और अहिंसा के बारे में है। उन्होंने इसी तरह की बात कहने के लिए अन्य धर्मों की शिक्षाओं का भी हवाला दिया। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि खुद को हिंदू कहने वाले हर समय 'हिंसा और नफरत फैलाने' में लगे हैं, जिस पर सत्ता पक्ष के सदस्यों ने जोरदार तरीके से विरोध जताया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि पूरे हिंदू समाज को हिंसक कहना बहुत गंभीर बात है। हालांकि राहुल गांधी ने प्रतिक्रिया में कहा कि वह भाजपा की बात कर रहे हैं और भाजपा, नरेन्द्र मोदी जी या राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पूरा हिंदू समाज नहीं है। अमित शाह ने राहुल से मांफी की मांग की।

नीतीश के बाद चिराग पासवान ने भी बढ़ाई मोदी सरकार की टेंशन, बिहार को लेकर कर दी यह बड़ी मांग

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने रविवार को कहा कि एनडीए में बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी है, उन्होंने कहा कि बिहार की लंबे समय से चली आ रही विशेष दर्जे की मांग को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने रखा जाएगा। पासवान ने बताया कि यह कोई दबाव की राजनीति नहीं है बल्कि हमारी मांग रही है कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि बिहार की कौन सी पार्टी इसकी मांग नहीं करेगी, या उस मांग से सहमत नहीं होगी? हम इसके पक्ष में हैं। हम एनडीए सरकार में हैं, बीजेपी गठबंधन में सबसे बड़ी पार्टी है और पीएम मोदी हमारे नेता हैं जिन पर हम सभी को भरोसा है। यह मांग हम उनके सामने नहीं रखेंगे तो किसके सामने रखेंगे?

रविवार को एएनआई से बात करते हुए, पासवान ने कहा, दर्जा दिया जाना चाहिए। यह हमारी आशा है। हम उन प्रावधानों पर भी चर्चा करेंगे जिन्हें बदलने की जरूरत है ताकि हम बिहारियों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा कर सकें। वर्तमान प्रावधानों के तहत, राज्यों के लिए विशेष दर्जा मौजूद नहीं है। अगस्त 2014 में 13वें योजना आयोग के विघटन के साथ, 14वें वित्त आयोग ने विशेष और सामान्य श्रेणी के राज्यों के बीच कोई अंतर नहीं किया है।

सरकार ने 14वें वित्त आयोग की सिफारिशों को स्वीकार कर लिया और 1 अप्रैल, 2015 से केंद्र से राज्यों को कर हस्तांतरण को 32 प्रतिशत से बढ़ाकर 42 प्रतिशत कर दिया, और किसी भी संसाधन अंतर का सामना करने वाले राज्यों के लिए राजस्व घाटा अनुदान का एक नया प्रावधान भी जोड़ा। जनता दल (यूनाइटेड) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने शनिवार को एक प्रस्ताव पारित किया, जिसमें राज्य के विकास को गति देने के लिए केंद्र से बिहार के लिए विशेष दर्जा या विशेष पैकेज की आवश्यकता पर जोर दिया गया।

दिल्ली में आयोजित बैठक की अध्यक्षता जदयू अध्यक्ष और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने की। जदयू बिहार के साथ-साथ केंद्र में भी भाजपा की प्रमुख सहयोगी है।

अब शिकायत कैसे होगी? क्या थाने तक जाना ही पड़ेगा? जीरो एफआईआर क्या है?

नए आपराधिक कानून 01 जुलाई 2024 से प्रभावी हो गए हैं. भारतीय न्याय संहिता (ब्रह्रस्), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (ब्रह्रस्स्) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (ब्रक्र) के जरिए, देश की न्यायिक प्रणाली में बड़ा बदलाव किया गया है. अब नागरिकों के लिए अपराधों की जानकारी देना काफी आसान हो गया है. वे ऑनलाइन अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं. नए कानूनों में 'जीरो एफआईआर' का प्रावधान है यानी किसी भी थाने में स्नङ्क्र फाइल की जा सकती है. इसके अलावा क्राइम स्पॉट की वीडियोग्राफी, इलेक्ट्रॉनिक तरीकों से समन भेजे जाने समेत कई ऐसे बदलाव हैं जिनके बारे में जानना जरूरी है. आइए आपको नए आपराधिक कानूनों में आपके काम की पांच बातें बताते हैं.

नए कानूनों के तहत, आप इलेक्ट्रॉनिक तरीके से अपराध की रिपोर्ट दे सकते हैं. इसके लिए आपका खुद थाने जाना जरूरी नहीं. दिल्ली पुलिस ने अपनी वेबसाइट पर ऑनलाइन स्नङ्क्र फाइल करने की सुविधा दे रखी है. इसके अलावा संबंधित थाने को ई-मेल या अन्य इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से भी घटना की जानकारी दी जा सकती है. द्ग-स्नङ्क्र शुरुआती वेरिफिकेशन के लिए जांच अधिकारी (ढ्ढह्र) को भेजी जाएगी. ढ्ढह्र को यह तय करना होगा कि प्रथमद्रष्टया मामला बनता है या नहीं. तीन दिन के भीतर ईमेल पर जानकारी देनी होगी और स्नङ्क्र दर्ज करनी होगी.

नए क्रिमिनल लॉ के तहत, जीरो एफआईआर की शुरुआत हुई है. आप किसी भी थाने में देशभर में कहीं भी हुए अपराध की स्नङ्क्र दर्ज करा सकते हैं. इससे फर्क नहीं पड़ता कि घटना संबंधित थाने की सीमा में हुई है या नहीं. इससे स्नङ्क्र दर्ज कराने में आने वाली तमाम रुकावटों से छुटकारा मिलेगा.

जीरो स्नङ्क्र दज कराने के लिए किसी भी पुलिस थाने में जाएं.

मौके पर मौजूद अधिकारी जीरो एफआईआर रजिस्टर में शिकायत दर्ज करेगा. स्नङ्क्र नंबर के आगे 'जीरो' लगा होगा. पुलिस अधिकारी उस स्नङ्क्रको संबंधित थाने में भिजवाएंगे, वहां पर यह रेगुलर स्नङ्क्र की तरह दर्ज की जाएगी.नए कानूनों के जरिए, पीड़ितों को एफआईआर की मुफ्त कॉपी उपलब्ध कराई जाएगी.

नए कानून आरोपियों को भी कुछ अधिकार प्रदान करते हैं. जिस व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है, उसे अपनी पसंद के किसी भी व्यक्ति को गिरफ्तारी की सूचना देने का अधिकार होगा. गिरफ्तारी की जानकारी थानों और जिला पुलिस मुख?यालयों में प्राथमिकता से प्रदर्शित की जाएगी जिससे आरोपी के रिश्तेदारों और दोस्तों को आसानी से जानकारी मिल पाए.

गंभीर अपराधों में फॉरेंसिक एक्सपर्ट्स का मौके पर जाना अनिवार्य बना दिया गया है.

सबूतों से किसी तरह की छेड़छाड़ न हो पाए, इसके लिए सबूत जुटाने के दौरान क्राइम सीन की वीडियोग्राफी की जाएगी.

कानूनी प्रक्रिया को तेज करने के लिए, अब समन इलेक्ट्रॉनिक तरीके से भी भेजे जा सकेंगे. अदालतों को सुनवाई में बेवजह देरी से रोकने के लिए अधिकतम दो बार स्थगन की ही अनुमति होगी.

नए क्रिमिनल कानूनों में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों की जांच को प्राथमिकता दी जाएगी. सूचना दर्ज होने के दो महीने के भीतर जांच पूरी करनी होगी. पीड़ितों को 90 दिन के भीतर केस से जुड़ी रेगुलर अपडेट्स पाने का हक होगा.

नए कानून में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध के पीड़ितों को सभी अस्पतालों में मुफ्त फर्स्ट-एड या मेडिकल इलाज की गारंटी दी गई है.महिलाओं, 15 वर्ष से कम आयु के व्यक्तियों, 60 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों तथा विकलांग या गंभीर बीमारी से ग्रस्त व्यक्तियों को पुलिस स्टेशन आने से छूट दी गई है. वे अपने घर पर ही पुलिस से मदद ले सकते हैं.

श्रीराम जी के साथ लड़ने से नहीं, अपितु पावन श्रीचरणों में न्योछावर होने से मिलती है

भगवान श्रीराम जी का समस्त जीवन चक्र है ही ऐसा, कि उन्हें आम जन मानस अपना श्रेष्ठ आदर्श न बनाये तो और क्या करे। संसार में मानव को जितने भी लाभान्वित पक्ष मिलने चाहिए, वे सभी एक ही छत्र तले मिलने का प्रबंध, श्रीराम जी ने कर रखा है।

श्रीराम जी का मत है कि दिखने में तो रावण के पास सब कुछ हैए जिसमें बुद्धि, कीर्ति, सद्गति, ऐश्वर्य व भलाई आते हैं। लेकिन हम विगत अंकों में पहले ही जान चुके हैं, कि रावण की बुद्धि व कीर्ति तो बस कहने को ही है। ऐसे ही सद्गति ऐश्वर्य व भलाई भी रावण ने नहीं कमाई।सद्गति की बात करें, तो समाज के भीतर एक भ्रम ने स्थान बना रखा है, कि रावण श्रीराम जी से इसलिए बैर करता था, क्योंकि वह मुक्ति चाहता था। उसका तर्क था, कि वह श्रीराम जी के हाथों मृत्यु प्राप्त करके, मोक्ष को प्राप्त हो जाएगा।

अगर रावण सचमुच ऐसा सोचता था, तो रावण की सोच कितनी अपरिपक्व थी, आप स्वयं सोच सकते हैं। क्योंकि रावण के बारे में आता है, कि वह चारों वेदों और छः शास्त्रों का ज्ञाता था। अब वेदों में ही आता है, कि-भले ही रावण अपनी हठ पर अडिग रहा, लेकिन अपना सर्वनाश करवाने के पश्चात भी, क्या उसका मनोरथ पूर्ण हो पाया? इसका उत्तर है नहीं। क्योंकि रावण को अगर मोक्ष प्राप्त हुआ होता, तो उसका अगला जन्म शिशुपाल के रूप में क्यों होता? इसलिए कोई इस भ्रम में न रहे, कि रावण श्रीराम जी के हाथों मरा, तो उसका कल्याण अथवा सद्गति हो गई होगी।सद्गति श्रीराम जी के साथ लड़ने से नहीं, अपितु श्रीराम जी के पावन श्रीचरणों में न्योछावर होने से होगी। अहल्या को ऋषि का शाप मिलने के पश्चात भी वह कभी कुछ नहीं बोली। किंचित भी अपने साथ हुई अनहोनी का उलाहना नहीं दिया। उल्टा वह तो ऋषि का धन्यवाद देती है, कि मुनि ने अति भला किया, जो उन्होंने यह शाप दिया, कि मैं पत्थर हो जाऊँ।

साथ ही यह भी आशीर्वाद दिया, कि त्रेता युग में श्रीराम जी आयेंगे, और वे मुक्ति प्रदान करेंगे। अहल्या ने कहा, कि वैसे तो पता नहीं मुझे श्रीराम जी के दर्शन होते, अथवा न होते, लेकिन ऋषि के वचनों से यह तो पक्का हो गया, कि श्रीराम जी स्वयं मुझे दर्शन देने आयेंगे, और मुझे पत्थर की योनि से मुक्त करेंगे।

समय आने पर श्रीराम जी अहल्या के पास पहुँचे, और अपनी कृपा से अहल्या को केवल पत्थर योनि से ही नहीं, अपितु भवसागर से भी मोक्ष प्रदान किया। इसे कहते हैं सद्गति।

संसार में भले ही देवी अहल्या को कुछ लोग अपमान की दृष्टि से देखते हों, लेकिन श्रीराम जी ने तो उन्हें सम्मान दिया। भगवान जिसे सम्मान के साथ-साथ मोक्ष प्रदान करें, वह श्रेष्ठ है, अथवा संसार के मायावी व अपरिपक्व लोग कुछ कहें, वह उचित है? इसलिए रावण की कोई गति नहीं हुई।

पूजा में केले के पत्ते को शामिल करना माना जाता है शुभ

हिंदू धर्म में केले के पत्तों का विशेष महत्व बताया गया है। केले को पत्तों को अत्यंत पवित्र माना जाता है। इन पत्तों में मां लक्ष्मी और भगवान विष्णु का वास होता है। इसलिए पूजा-पाठ आदि में केले के पत्तों का इस्तेमाल किया जाता है।जैसा कि आप सभी जानते होंगे कि पूजा-पाठ में केले के पत्तों का अत्यंत महत्व है। विशेष रूप से केले के पत्तों का प्रयोग भारत के दक्षिण क्षेत्र में पूजा-पाठ के दौरान किया जाता है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको पूजा में केले के पत्तों के महत्व के बारे में बताने जा रहे हैं।बता दें कि केले को हिन्दू धर्म में अत्यंत पवित्र माना गया है। केले के पत्ते का प्रयोग किसी भी पूजा, पाठ, हवन, पंगत और अनुष्ठान आदि के दौरान किया जाता है। पूजा-पाठ में न सिर्फ केले के पत्तों बल्कि तनों का भी इस्तेमाल किया जाता है।हिन्दू धर्म ग्रंथों और शास्त्रों के अनुसार, केले के पेड़ में भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी का वास होता है। वहीं केले के पेड़ का संबंध देव गुरु बृहस्पति ग्रह से होता है। पूजा-अर्चना में केले के पत्तों का इस्तेमाल करने से भगवान श्रीहरि विष्णु और मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है।भगवान श्रीकृष्ण और माता लक्ष्मी की कृपा से पूजा-पाठ के काम में किसी तरह की बाधा नहीं आती है। साथ ही जातक को देवगुरु बृहस्पति का भी आशीर्वाद प्राप्त होता है। यदि पूजा में केले के पत्तों का इस्तेमाल किया जाता है तो इससे कुंडली में गुरु ग्रह की स्थिति उच्च होती है। इसके शुभ परिणाम भी दिखने लगते हैं। धर्म-शास्त्रों के अनुसार, यदि माता लक्ष्मी और श्रीहरि विष्णु को केले के पत्ते पर भोग लगाया जाए तो इससे घर में अन्न का भंडार भरा रहता है। इसके अलावा अगर केले के पत्ते पर केले का भोग लगाया जाता है तो इससे दांपत्य जीवन में आने वाली परेशानियों का अंत होता है। वैवाहिक जीवन सुखमय बीतता है।सत्यनारायण की कथा में केले के पेड़ का मंडप बनाकर तैयार किया जाता है। क्योंकि इसे पूर्ण रूप से शुद्ध माना जाता है। केले के पेड़ के मंडप से ग्रहों का भी सत्यनारायण भगवान की कृपा से अच्छा प्रभाव देखने को मिलता है।

महाप्रभु जगन्नाथ की रथयात्रा का पुण्य सौ यज्ञों के बराबर माना जाता है

भारतीय संस्कृति में धार्मिक और सांस्कृतिक त्योहारों का विशेष महत्व है। इसी कड़ी में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा का पर्व देशभर में बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। जगन्नाथ रथ यात्रा रथ यात्रा का मुख्य आयोजन ओडिशा के पुरी नगर में होता है। इस महापर्व में लाखों भक्त भगवान के रथ को खींचने के लिए उत्साह से भरे होते हैं। यह पर्व न केवल धार्मिक भावनाओं का प्रतीक है, बल्कि भारत की सामाजिक एवं सांस्कृतिक समृद्धि का भी प्रतीक है। इस पर्व में भगवान जगन्नाथ के रथ की यात्रा को देखने का अनुभव अद्वितीय होता है। लोग भक्ति और श्रद्धा के साथ रथ को खींचते हैं। आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया को खासतौर पर ओडिशा के पुरी नामक स्थान और गुजरात के द्वारका पुरी में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा बड़ी धूमधाम से निकाली जाती है। पुरी में श्री जगदीश भगवान को सपरिवार विशाल रथ पर आरुढ़ कराकर भ्रमण करवाया जाता है फिर वापस लौटने पर यथास्थान स्थापित किया जाता है। यह उत्सव अद्वितीय होता है। इस अवसर पर देश विदेश से लाखों श्रद्धालु यहां एकत्र होते हैं। इस उत्सव के दौरान श्रद्धालुओं का भक्ति भाव देखते ही बनता है क्योंकि जिस रथ पर भगवान सवारी करते हैं उसे घोड़े या अन्य जानवर नहीं बल्कि श्रद्धालुगण ही खींच रहे होते हैं।

रथयात्रा के दिन भगवद भक्त व्रत रखते हैं और उत्सव मनाते हैं। पुरी में जिस रथ पर भगवान की सवारी चलती है वह विशाल एवं अद्वितीय है। वह 45 फुट ऊंचा, 35 फुट लंबा तथा इतना ही चौड़ाई वाला होता है। इसमें सात फुट व्यास के 16 पहिये होते हैं। इसी तरह बालभद्र जी का रथ 44 फुट ऊंचा, 12 पहियों वाला तथा सुभद्रा जी का रथ 43 फुट ऊंचा होता है। इनके रथ में भी 12 पहिये होते हैं। प्रतिवर्ष नए रथों का निर्माण किया जाता है। भगवान मंदिर के सिंहद्वार पर बैठकर जनकपुरी की ओर रथयात्रा करते हैं। जनकपुरी में तीन दिन का विश्राम होता है जहां उनकी भेंट श्री लक्ष्मीजी से होती है। इसके बाद भगवान पुनः श्री जगन्नाथ पुरी पुरी लौटकर आसनरुढ़ हो जाते हैं।

भारत के मुख्य पर्वों में दस दिवसीय रथयात्रा महत्वपूर्ण स्थान रखती है। भगवान श्रीकृष्ण के अवतार जगन्नाथ की रथयात्रा का पुण्य सौ यज्ञों के बराबर माना जाता है। यात्रा की तैयारी अक्षय तृतीया के दिन श्रीकृष्ण, बलराम और सुभद्रा के रथों के निर्माण के साथ ही शुरू हो जाती है। जगन्नाथ जी का रथ गरुड़ध्वज या कपिलध्वज कहलाता है। रथ पर जो ध्वज है, उसे त्रैलोक्यमोहिनी या 'नंदीघोष' रथ कहते हैं। बलराम जी का रथ तलध्वज के नाम से पहचाना जाता है। रथ के ध्वज को उनानी कहते हैं। जिस रस्सी से रथ खींचा जाता है वह वासुकी कहलाता है। सुभद्रा का रथ पद्मध्वज कहलाता है। रथ ध्वज नदंबिक कहलाता है। इसे खींचने वाली रस्सी को स्वर्णचूडा कहते हैं।

भगवान की रथयात्रा में सभी वर्गों के लोग शामिल होते हैं। रथयात्रा आरंभ होने से पहले पुराने राजाओं के वंशज पारंपरिक ढंग से सोने के हत्थे वाली झाड़ू से ठाकुर जी के प्रस्थान मार्ग को साफ करते हैं। इसके बाद मंत्रोच्चार एवं जयघोष के साथ रथयात्रा शुरू होती है। सर्वप्रथम बलभद्र का रथ तालध्वज प्रस्थान करता है। थोड़ी देर बाद सुभद्रा की यात्रा शुरू होती है। अंत में लोग जगन्नाथ जी के रथ को बड़े ही श्रद्धापूर्वक खींचते हैं। मान्यता है कि रथयात्रा में सहयोग से मोक्ष मिलता है, अतः सभी श्रद्धालु कुछ पल के लिए रथ खींचने को आतुर रहते हैं। जगन्नाथ जी की यह रथयात्रा गुंडीचा मंदिर पहुंचकर संपन्न होती है। गुंडीचा मंदिर वहीं पर स्थित है जहां विश्वकर्मा जी ने तीनों देव प्रतिमाओं का निर्माण किया था। यह भगवान की मौसी का घर भी माना जाता है। यहां भगवान एक सप्ताह प्रवास करते हैं और इस दौरान यहीं पर उनकी पूजा की जाती है। आषाढ़ शुक्ल दशमी को जगन्नाथ जी की वापसी यात्रा शुरू होती है। शाम तक रथ जगन्नाथ मंदिर पहुंच जाते हैं लेकिन प्रतिमाओं को अगले दिन ही मंत्रोच्चार के साथ मंदिर के गर्भगृह में फिर से स्थापित किया जाता है।

किचन से बाहर भी कई तरीकों से काम आ सकता है सिरका

अगर आप अपने गार्डन एरिया से कीड़ों को बेहद आसानी से नियंत्रित करना चाहते हैं तो ऐसे में आप कंटेनर में एक कप सेब साइडर सिरका डालें। साथ ही आप इसमें केले के छिलके के छोटे-छोटे टुकड़े और 1 कप ठंडा पानी डालें और फिर हिलाएं।सिरके का इस्तेमाल आमतौर पर किचन में कई तरह की डिशेज का स्वाद बढाने के लिए किया जाता है। लेकिन यह वास्तव में आपकी किचन की पेंट्री में सबसे अच्छे इंग्रीडिएंट्स में से एक है, क्योंकि आप सिरके को अपने घर में कई बेहतरीन तरीकों से इस्तेमाल कर सकते हैं।

बगीचे में कीड़ों को करें नियंत्रित

अगर आप अपने गार्डन एरिया से कीड़ों को बेहद आसानी से नियंत्रित करना चाहते हैं तो ऐसे में आप कंटेनर में एक कप सेब साइडर सिरका डालें। साथ ही आप इसमें केले के छिलके के छोटे-छोटे टुकड़े और 1 कप ठंडा पानी डालें और फिर हिलाएं। ऊपर के चारों ओर छेद करें और इसे किचन काउंटर पर फ्रूट फ्लाई इन्फेक्शन के पास रखें। आप कुछ ही समय में आप क्रिटर्स को बेहद आसानी से पकड़ लेंगे।

डिशवॉशर को करें वॉश

आमतौर पर, बर्तनों को क्लीन करने के लिए डिशवॉशर का इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन डिशवॉशर की क्लीनिंग करने के बारे में आपने शायद ही सोचा होगा। हालांकि, डिशवॉशर की बेहतरीन क्लीनिंग के लिए आप सिरके का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आप टब के बॉटम में 1 कप सिरका डालें और इसमें बिना कोई बर्तन डालकर एक साइकल चलाएं। ऐसा हर एक या दो महीने में एक बार करने से डिशवॉशर में साबुन का जमा अवशेष बेहद आसानी से निकल जाएगा और वह साफ-सुथरा रहेगा।

शॉवरहेड की करें क्लीनिंग

अगर आपके शॉवर हेड में गंदगी जमा हो गई है और इसलिए पानी सही तरह से नहीं आ रहा है तो ऐसे में आप शॉवरहेड की क्लीनिंग के लिए सिरके की मदद लें। इसके लिए, एक कटोरी में 1/2 कप सिरके के साथ उबलता पानी डालें। शॉवर हेड को 10 मिनट के लिए भिगोएं। आप देखेंगे कि वे क्लॉग गायब हो गए हैं। यदि आप शॉवर हेड को नहीं हटा सकते हैं, तो ऐसे में आप सिरके के साथ एक प्लास्टिक बैग भरें और इसे शॉवर हेड पर बांध दें। इसे एक घंटे के लिए ऐसे ही रहने दें और फिर बाद में रिमूव कर दें।

लकड़ी के फर्श की करें सफाई

लकड़ी के फर्श की क्लीनिंग करने के लिए 1 गैलन गर्म पानी में 1/2 कप सिरका मिलाएं। इस मिश्रण की मदद से फर्श को हमेशा की तरह पोछें या स्क्रब करें। बाद में फर्श को तौलिये से पूरी तरह से सुखा लें। अगर आपका वुडन फ्लोर है तो ऐसे में आप इस टिप्स को ना आजमाएं क्योंकि इससे वैक्स को नुकसान होगा। आप चाहें तो सिरके की महक को कम करने के लिए अपने मिश्रण में एक या दो बूंद एसेंशियल ऑयल मिलाएं।

सोंठ के उपयोग और इसे खाने के फायदे जानकर चौंक जाएंगे

सोंठ या सूखी अदरक का इस्तेमाल भारतीय घरों में कई तरह के भोजन में अलग स्वाद देने के लिए किया जाता है। यह कई तरह की घरेलू दवाइयां बनाने में भी काम आता है। आइए यहां जानते हैं सोंठ के उपयोग के बारे में। साथ ही इसे खाने के 10 फायदे जानकर आप जरूर चौंक जाएंगे-

1. अदरक में थर्मोजेनिक एजेंट नामक तत्व होता है जो वसा को जलाने में मदद करता है, जिससे वजन आसानी से कम होता है। गरम पानी के साथ इसका सेवन मोटापे को कम करने में सहायक है।

2. सोंठ पाचन क्रिया को दुरूस्त कर वजन कम करने में भी मदद करता है। इसके अलावा यह रक्त में मौजूद शर्करा के स्तर को नियंत्रित करके वसा को सक्रिय करता है।

3. कब्ज, पेट दर्द और अपच जैसी समस्याओं में इसे पीसकर हींग और सेंधा नमक के साथ सेवन करने से आराम मिलता है। इसके अलावा इसे पानी के साथ उबालकर बार-बार पीने से डायरिया में काफी लाभ मिलता है।

4. सूखी अदरक, जिसे हम सोंठ कहते हैं, यह जोड़ों के दर्द में काफी लाभदायक होती है। इसमें सोंठ, जायफल को पीसकर तिल के तिल के में डालकर, उसमें भीगी हुई पट्टी जोड़ों पर लगाने से आराम मिल सकता है। इसके अलावा उबले हुए पानी के साथ शहद और अदरक पाउडर को पीने से गठिया में लाभ होता है।

5. सौंठ पसीने को निकालने में सहायक है, जिससे शरीर का तापमान कम हो सकता है और शरीर के विषैले पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है, जिससे बुखार में भी आराम मिलता है। शहद के साथ इसे खाने से बुखार कम होता है।

6. इतना ही नहीं सोंठ, हींग और काला नमक मिलाकर लेने से गैस की समस्या में लाभ होता है। पिसी हुई सोंठ और कैरम के बीजों को नींबू के रस में भि ?गोकर छाया में सुखाकर प्रतिदिन सुबह लेने से गैस और पेडू के दर्द में आराम मिलता है।

7. यदि सोंठ को दूध में उबालकर, ठंडा करके पीने से हिचकी आना बंद हो जाती है। पसलियों में दर्द होने पर इसे पानी में उबालकर ठंडा करके दिन में कम से कम 4 बार पीने से लाभ होता है।

8. माइग्रेन, सि ?रदर्द, गर्दन और शरीर में दर्द होने पर सूखी अदरक और पानी का लेप बनाकर लगाने से आराम मिलता है। इसे सूंघने से छींक आने पर भी सि ?र दर्द में आराम मिलता है।

9. यह जी मचलाना, ठंड में पसीना आना, चक्कर और उल्टी आने जैसी समस्याओं को कम करने में भी बेहद फायदेमंद है। यह गर्भवती महिलाओं की समस्याओं को कुछ हद तक कम करने में भी सहायक है।

10. इसके अलावा सोंठ या सूखी अदरक गर्भाशय के कैंसर की संभावनाओं को कम करने में भी फायदेमंद है। इसमें कैंसररोधी गुण मौजूद होते हैं, जो कैंसर कोशिकाओं को बढ़ने से रोकते हैं।

संक्षिप्त समाचार ....

राशनकार्ड धारकों को ई-केवाइसी के लिये करनी पड़ रही मशक्कत

समाज का साथी

देवा/बाराबंकी। खाद्य एवं रसद विभाग द्वारा राशन कार्ड धारकों की कराई जा रही ईकेवाइसी में छोटे बच्चों के आधार कार्ड में बायोमैट्रिक डाटा अपडेट न होने के कारण काफी दिक्कतें आ रही हैं। यदि समय रहते इन बच्चों का आधार कार्ड सही करवाकर ई केवाइसी नहीं कराई गई, तो इनके नाम राशन कार्ड से कट सकते हैं। खाद्य एवं रसद विभाग के द्वारा पूरे प्रदेश में राशन कार्ड धारकों की ई-केवाईसी की प्रक्रिया चल रही है। जिसमें राशन कार्ड में दर्ज लोगों के नाम का बायोमैट्रिक डाटा अपडेट किया जा रहा है। जिससे राशन कार्ड में मृतक लोगों के नाम हट सकें और उनकी जगह पर नए नाम जो दर्ज नहीं है उनको दर्ज किया जा सके। पूर्ति विभाग की सूची के अनुसार विकासखंड देवा के नगर पंचायत में 2652 पात्र गृहस्थी और 90 अंत्योदय कार्ड धारक हैं। वहीं ग्रामीण क्षेत्र में 29687 पात्र गृहस्थी और 7778 अंत्योदय कार्ड धारक हैं। इन सभी कार्डों पर 178697 लाभार्थियों के नाम दर्ज हैं। अंत्योदय कार्ड धारकों को प्रति कार्ड 35 किलो और पात्र गृहस्थी कार्ड धारकों को प्रति यूनिट 5 किलो अनाज प्रतिमाह निःशुल्क दिया जाता है। राशन कार्ड में ई केवाईसी के दौरान कई बच्चों के आधार कार्ड पर बायोमैट्रिक अपडेट न होने से काफी दिक्कतें आ रही हैं। बता दें छोटे बच्चों के आधार कार्ड केवल फोटो खींचकर बना दिया जाता है। जिनका 5 वर्ष के बाद बायोमैट्रिक अपडेट करना होता है, लेकिन कई कार्ड धारकों ने अपने बच्चों के आधार कार्ड पर बायोमैट्रिक अभी तक अपडेट नहीं कराए हैं। जिन बच्चों के बायोमैट्रिक अपडेट नहीं होंगे उनकी ई-केवाईसी नहीं हो सकेगी

सहायक आयुक्त खाद्य सहित छह लोगों का हुआ था स्थानांतरण

बीपीएस न्यूज

देवा/बाराबंकी। शासन से खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन से जिले की सहायक आयुक्त खाद्य प्रियंका सिंह और पांच खाद्य सुरक्षा अधिकारियों का गैर जनपद स्थानांतरण का आदेश बीती तीस जून को जारी किया जा चुका है, लेकिन रिलीविंग पत्रावलियों में लेट लतीफी के चलते गैर जनपद स्थान्तरित किये गये खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को नई जगहों पर तैनाती में दिक्कतें आ रही हैं।

सहायक आयुक्त खाद्य का प्रभार अभी तक प्रियंका सिंह के पास था। जिनका स्थानांतरण चित्रकूट जिले में कर दिया गया है। जबकि पांच खाद्य सुरक्षाधिकारियों में अनिल पाल को कानपुर नगर, ओमकार यादव को मिर्जापुर, कमल कुमार को लखनऊ, आरके सिंह को लखनऊ व कंचन लता तिवारी को बाराबंकी से रायबरेली इसी पद पर स्थान्तरित किया गया है।शासन के स्पष्ट निर्देश थे कि पांच जुलाई तक स्थान्तरित किये गए अधिकारी गैर जनपदों में कार्यभार प्रत्येक दशा में ग्रहण करें। लेकिन आरोप है कि सहायक आयुक्त खाद्य प्रियंका सिंह द्वारा रिलीविंग पत्रावलियों को जिलाधिकारी तक पहुंचाने में की गई हीलाहवाली और लेटलतीफी की वजह से स्थान्तरित खाद्य सुरक्षा अधिकारी गैर जनपदों में कार्यभार ग्रहण नहीं कर पा रहे हैं।

आईजीआरएस में मिली शिकायतों के समाधान में बाराबंकी प्रदेश में अव्वल

बीपीएस न्यूज

देवा/बाराबंकी। आमजन की शिकायतों के समाधान के लिए बनाये गए पोर्टल आईजीआरएस में मिली शिकायतों के समाधान करने के मामले में बाराबंकी एक बार फिर सुर्खियों में है। बाराबंकी को समय से गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण करने के मामले में प्रदेश में पहला स्थान व लखनऊ जोन में भी जिला अव्वल रहा। बाराबंकी के बीस थाने ऐसे है जिन्हें प्रदेश में पहला स्थान मिला है। इसका पूरा श्रेय पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह की सख्त पुलिसिंग और उनकी टीम की मुस्तैदी को जाता है। एसपी ने आईजीआरएस पोर्टल पर आने वाले शिकायती पत्रों की मॉनीटरिंग समय समय पर खुद करते रहे और सभी थाना प्रभारियों को निर्देश देकर शिकायती पत्रों को समय से गुणवत्ता पूर्वक निपटाने को लेकर काफी संजीदा रहे। एसपी ने इस काम का नेतृत्व पुलिस अधीक्षक दक्षिणी डॉ. अखिलेश नारायण सिंह के हाथों में सौपा। जिसे उन्होंने बखूबी निभाया। जनपद बाराबंकी के बीस थाने सुबेहा, रामनगर, जैदपुर, लोनीकटरा, टिकैतनगर, कोठी, महिला थाना, सतरिख, बदोसराय, दरियाबाद, सफदरगंज, बड्डूपुर, फतेहपुर, जहांगीराबाद, कुर्सी, घुंघटेर, देवा, थाना कोतवाली नगर, रामसनेही घाट व मसौली को आईजीआरएस निस्तारण के मामले में प्रदेश में पहला स्थान मिला। पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार ने आईजीआरएस टीम के प्रभारी निरीक्षक बेचू यादव, आरक्षी शैलेश कुमार मौर्य, द्रविण गुप्ता, मो.आवेदीन, संजय दत्त पाल, महिला आरक्षी ममता पाल, सरिता रावत और अकांक्षा यादव को बधाई व शुभकामनाएं दी और इसी तरह ईमानदारी और पूरी निष्ठा के साथ काम करने के लिए प्रोत्साहित किया।

खतरे के निशान के करीब पहुंची राप्ती, 11 लोगों को बाढ़ से बचाया गया

बलरामपुर। बाढ़ का खतरा बढ़ता जा रहा है। राप्ती नदी खतरे के निशान के करीब पहुंच गई है। राप्ती नदी खतरे के निशान से 10 सेमी.नीचे है। वर्तमान जल स्तर 104.500 मी0 है।खतरे का मानक निशान 104.620 मीटर है।

बाढ़ का खतरा बढ़ता जा रहा है। राप्ती नदी खतरे के निशान के करीब पहुंच गई है। महाराजगंज ललिया सहित करीब दस मार्ग पर आवागमन बाधित हो गया है। पीएचसी महाराजगंज तराई सहित आधा दर्जन स्कूलों में पानी भर गया है। राप्ती नदी की बाढ़ में फंसे 11 लोगों को बचाया गया। परवल के खेत की रखवाली करने 11 लोग गए थे। छह घंटे की मेहनत के बाद उन्हें सुरक्षित निकाला गया, जिसमें पांच बच्चे और छह महिलाएं शामिल थी।राप्ती नदी खतरे के निशान से 10 सेमी.नीचे है। वर्तमान जल स्तर 104.500 मी0 है। खतरे का मानक निशान 104.620 मीटर है। तहसील तुलसीपुर के 16 ग्राम बाढ़ से आंशिक/सामान्य रूप से प्रभावित हुए हैं।एक टीम एसडीआरएफ दो मोटर बोटस के साथ तैनात हैं। फ्लड पीएसी भी लगाई गई है। स्वास्थ्य विभाग की 32 मेडिकल टीमें गठित की गई हैं। 32 बाढ़ चौकियां एवं 19 बाढ़ शरणालय बनाये गये हैं। सभी बाढ़ चौकियां एवं बाढ़ शरणायल सक्रिय हैं।

सीएम योगी ने अधिकारियों को बारिश में राहत कार्य संचालित करने के दिए निर्देश

बीपीएस न्यूज

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी ने तेज बारिश को देखते हुए संबंधित जनपदों के अधिकारियों को पूरी तत्परता से राहत कार्य संचालित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारी क्षेत्र का भ्रमण कर राहत कार्य पर नज़र रखें और प्रभावित लोगों को मदद प्रदान करें।उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तेज बारिश को देखते हुए संबंधित जनपदों के अधिकारियों को पूरी तत्परता से राहत कार्य संचालित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारी क्षेत्र का भ्रमण कर राहत कार्य पर नज़र रखें और प्रभावित लोगों को मदद प्रदान करें।उन्होने आपदा से हुई जनहानि से प्रभावित परिवारों को अनुमन्य राहत राशि अविलंब प्रदान किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के घरों को नुकसान पहुंचा अथवा पशु हानि हुई, ऐसे प्रभावितों को तत्काल अनुमन्य वित्तीय सहायता प्रदान की जाए। मुख्यमंत्री ने यह निर्देश भी दिए हैं कि फसलों को हुए नुकसान का आकलन कर शासन को आख्या उपलब्ध कराई जाए।

भाजपा के पत्ते देख अपने प्रत्याशी फाइनल करेगी सपा, अखिलेश ने पदाधिकारियों के साथ किया मंथन

बीपीएस न्यूज

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पार्टी मुख्यालय पर विधानसभा उपचुनाव को लेकर पार्टी पदाधिकारियों के साथ मंथन किया। संबंधित जिलों के पदाधिकारियों का आह्वान किया कि उपचुनाव में जीत के लिए जी-जान से जुटें, ताकि लोकसभा चुनाव में मिले नतीजों को आगे भी दोहराया जा सके। हालांकि, इस बैठक के बारे में आधिकारिक तौर पर सपा की ओर से कोई जानकारी नहीं दी गई। सूत्रों का कहना है कि उपचुनाव में भाजपा के पत्ते देख सपा अपने प्रत्याशी फाइनल करेगी।

यूपी में शीघ्र ही विधानसभा की 10 रिक्त सीटों पर चुनाव होने हैं। इनमें से एक सीट सीसामऊ (कानपुर) सपा विधायक इरफान सोलंकी को सजा होने से रिक्त हुई है, जबकि नौ विधायक अब लोकसभा सांसद बन चुके हैं। इनमें से पांच सीटें करहल, सीसामऊ, मिल्कीपुर, कटेहरी और कुंदरकी अभी सपा के पास थीं, जबकि खैर, गाजियाबाद और फूलपुर सीट भाजपा, मझवा निषाद पार्टी और मीरापुर रालोद ने जीती थी।

करहल सीट अखिलेश यादव के सांसद बनने से रिक्त हुई है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, यहां से अखिलेश परिवार के सदस्य व पूर्व सांसद तेज प्रताप सिंह यादव को उतारा जाना करीब-करीब तय है। सपा के लिए सबसे अहम सीट अयोध्या की मिल्कीपुर है, क्योंकि फैजाबाद (अयोध्या) लोकसभा सीट को जीतना सपा देश में अपनी बड़ी उपलब्धि के तौर पर प्रस्तुत कर रही है। मिल्कीपुर से सांसद अवधेश प्रसाद के बेटे अजीत भी टिकट के दावेदार हैं। सूत्रों के मुताबिक, सपा नेतृत्व नहीं चाहता है कि अवधेश प्रसाद की जीत से बने माहौल को कोई नुकसान पहुंचे, इसलिए उनके बेटे के बजाय किसी अन्य को लड़ाने पर विचार किया जा रहा है। मिल्कीपुर सीट पर सपा के पास कई मजबूत दावेदार हैं।कटेहरी सीट लालजी वर्मा के सांसद चुने जाने से खाली हुई है और उनकी बेटी छाया वर्मा को लड़ाने की चर्चाएं बीच में उठ रही हैं। लेकिन, पार्टी सूत्र बताते हैं कि वहां से किसी ब्राह्मण या मांझी दावेदार को मौका मिल सकता है। सीसामऊ से इरफान सोलंकी के परिवार के ही सदस्य को उतारा जा सकता है।

शिक्षकों की लगेगी डिजिटल हाजिरी, स्कूलों में बांटे गए सिम और टैबलेट, ऑनलाइन हुए स्कूल के 12 रजिस्टर

बीपीएस न्यूज

लखनऊ। प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में आठ जुलाई से कार्यरत शिक्षकों और कर्मचारियों की डिजिटल हाजिरी शुरू हो जाएगी। पहले इसके लिए 15 जुलाई की तिथि निर्धारित की गई थी, लेकिन अब शिक्षा महानिदेशक कंचन वर्मा की ओर से जारी आदेश के मुताबिक सभी शिक्षकों को सोमवार यानी की आठ जुलाई से ऑनलाइन व्यवस्था के अनुसार ही कार्य करना होगा।

12 रजिस्टर होंगे ऑनलाइन

बायोमैट्रिक के जरिए उपस्थिति के साथ-साथ स्कूल में संचालित 12 रजिस्टरों को ऑनलाइन कर दिया गया है। इसमें उपस्थिति पंजिका, प्रवेश पंजिका, कक्षावार छात्र उपस्थिति पंजिका, एमडीएम पंजिका, समेकित निःशुल्क सामग्री वितरण पंजिका, स्टॉक पंजिका, आय व्ययक एवं इश्यू पंजिका, बैठक पंजिका, निरीक्षण पंजिका, पत्र व्यवहार पंजिका, बाल गणना पंजिका, पुस्तकालय एवं खेलकूद पंजिका शामिल हैं।

शिक्षक संगठनों ने जताया विरोध

ऑनलाइन उपस्थिति को लेकर शिक्षक संगठनों ने विरोध जताया है। प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश चन्द्र शर्मा, महिला शिक्षक संघ की प्रदेश अध्यक्ष सुलोचना मौर्या, प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षित स्नातक एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष विनय कुमार सिंह, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के मंडल अध्यक्ष महेश मिश्रा सहित अलग-अलग शिक्षक नेताओं ने इस व्यवस्था पर विरोध जताया है। संगठनों का कहना है कि

डॉ. शकुन्तला विश्वविद्यालय में प्रवेश परीक्षा आयोजित

बीपीएस न्यूज

लखनऊ। डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए बीएड विशेष शिक्षा, एलएलएम और बीबीए की प्रवेश परीक्षाएं शनिवार को समाप्त हो गई। परीक्षा के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय सिंह ने औचक निरीक्षण किया।विश्वविद्यालय के एकेडमिक ब्लॉक ए-2 के कुल 20 कमरों में प्रवेश परीक्षा संचालित हुई। इस परीक्षा में 418 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। जबकी109 अनुपस्थित रहे। कुलपति ने निरीक्षण में पाया कि ललित कला विभाग में बैचलर ऑफ विजुअल आर्ट में 40 सीटों में प्रवेश के लिए प्रायोगिक परीक्षा (रुचि परीक्षा) संपन्न हुई। इस पाठ्यक्रम में कुल 50 सीट है, जिसमें 10 सीट पर सीयूईटी के माध्यम से प्रवेश लिया जाएगा।प्रवेश के लिए कराई गई परीक्षा एवं इंटरमीडिएट में प्राप्त अंकों के आधार पर मेरिट सूची जारी की जाएंगी। मास्टर ऑफ फाईन आर्ट्स (एमएफए) की प्रायोगिक परीक्षाएं 8 और 9 जुलाई को आयोजित की जाएंगी। 8 को चित्रकला की प्रायोगिक परीक्षाएं एवं साक्षात्कार होगा। जबकि मूर्तिकला एवं व्यावहारिक कला की परीक्षाएं एवं साक्षात्कार 9 जुलाई को आयोजित होगा। ये सभी परिक्षाएं ललित कला विभाग में आयोजित होंगी। इन परीक्षाओं में प्रवेश के लिए निर्धारित सीटों के सापेक्ष लगभग तीन गुना छात्राओं ने आवेदन किया है।

उन्नाव के 'रोशन' सिंह बने असिस्टेंट कमांडेंट, यूपीएससी में राष्ट्रीय स्तर पर 44 वीं रैंक की हासिल

उन्नाव। बीघापुर तहसील क्षेत्र की ग्राम पंचायत करनाईपुर के मजरा साढेमऊ निवासी रोशन सिंह ने अपने नाम के अनुरूप जिले का नाम रोशन किया है। उन्होंने यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन (यूपीएससी) परीक्षा में सफलता प्राप्त करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर 44वीं रैंक प्राप्त की है। इसलिए उनका चयन सीएपीएफ ग्रुप ए में असिस्टेंट कमांडेंट पद पर हुआ है। उनके पिता कृषि व्यवसाय से जुड़े हैं। साथ ही मौजूदा समय में ग्राम प्रधान का पद भी संभाल रहे हैं।ग्रामीणों के मुताबिक ग्राम प्रधान विनोद सिंह ने अपने बेटे को बड़े भाई अशोक सिंह व चाचा दिलीप सिंह (अधिवक्ता दिल्ली उच्च न्यायालय) के यहां रहकर शिक्षा ग्रहण करने भेज दिया था, जहां इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय से बीटेक व नेताजी सुभाष चंद्र बोस तकनीकी संस्थान से एमटेक की परीक्षा उत्तीर्ण की।

इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी कर कैंपस सलेक्शन प्राप्त कर सैमसंग कंपनी में 15 लाख रुपए के सालाना पैकेज पर सेवा देनी शुरू कर दी। हालांकि जी न भरने पर निजी क्षेत्र की सेवा छोड़कर उन्होंने यूपीएससी परीक्षा की तैयारी शुरू कर दी और अपने दूसरे अटेम्ट में ही सफलता प्राप्त की। वह सफलता का श्रेय देते हुए ताऊ व चाचा को प्रेरणास्त्रोत बताते हैं। हालांकि उनके पिता गांव में ही रहकर कृषि का कार्य कराते आ रहे हैं। साथ ही पिछले पंचायत चुनाव में प्रधान निर्वाचित होकर ग्राम प्रधान के दायित्वों का निर्वहन भी कर रहे हैं। बीघापुर के ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि प्रकाश सिंह, पूर्व प्रमुख रामचंद्र सिंह, पप्पू सिंह, प्रमुख प्रतिनिधि सुमेरपुर योगेश वाजपेयी, राहुल सिंह, शिक्षक नेता भगवती सिंह, संजय शुक्ला, आशुतोष सिंह, भोले सिंह, बीघापुर प्रधान संघ के अध्यक्ष मनोज सिंह व प्रिंसू सिंह आदि ने खुशी जताते हुए शुभकामनाएं दीं।

फाइल लटकाने पर शिक्षक विधायक का एसडीएम कार्यालय में हंगामा, रिश्वतखोरी का आरोप

बीपीएस न्यूज

बांदा। शिक्षक एमएलसी ने उनके निजी विधि महाविद्यालय की एक फाइल पर कार्रवाई न करने पर जमकर नाराजगी जाहिर की और तहसील के कर्मचारियों को खूब खरी खोटी सुनाई। कहा कि जब एक विधायक की फाइल को चार वर्षों से लटका रखा है, तो आम आदमी की दशा को बखूबी समझा जा सकता है। भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर शिक्षक विधान परिषद सदस्य बने बाबूलाल तिवारी का गुस्सा उस समय सातवें आसमान पर पहुंच गया जब नरैनी तहसील के उप जिलाधिकारी के कार्यालय में बीते चार वर्षों से लंबित एक फाइल पर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। एमएलसी दलबल के साथ एसडीएम कार्यालय पहुंच गए और हंगामा काटने लगे। एमएलसी के आने की सूचना मिलते ही एसडीएम समेत सभी जिम्मेदार वहां निकल लिए और एमएलसी कार्यालय में मौजूद कर्मचारियों को खरी खोटी सुनाकर बैरंग वापस लौट आए। एमएलसी का कहना है कि वह तहसील क्षेत्र के गिरवां कस्बे में डॉ. बीआर अंबेडकर विधि महाविद्यालय चलाते हैं।

बताया कि उन्होंने चार वर्ष पूर्व महाविद्यालय की भूमि गाटा संख्या 1790/1 और 1791/2 को अकृषक भूमि घोषित करने और धारा 143 की कार्रवाई अमल में लाते हुए भूमि को व्यवसायिक घोषित करने का आवेदन किया था। लेकिन एसडीएम और तहसील कर्मियों की मनमानी के चलते चार वर्षों से उनकी फाइल कार्यालय में लंबित है। एमएलसी ने एसडीएम से फोन पर इस संबंध में बात की और संतोषजनक उत्तर न मिलने पर वह खुद ही कार्यालय पहुंच गए। उनके आने की सूचना मिलते ही एसडीएम समेत सभी जिम्मेदार मौके से भाग गए। एसडीएम की खाली कुर्सी देखकर शिक्षक एमएलसी का पारा चढ़ गया और उन्होंने कार्यालय के कर्मचारियों को खरी खोटी सुनाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। एमएलसी ने तहसील के अधिकारियों और कर्मचारियों पर रिश्वत लेने और अवैध खनन में संलिप्त रहने का गंभीर आरोप लगाया है। कहा है कि जब सत्ताधारी दल के विधायक का काम चार वर्षों से लंबित है तो आम आदमी की दुदर्शा खुद ही समझी जा सकती है। उनका कहना है कि तहसील में कोई भी काम बगैर पैसे लिए नहीं किया जाता। बताते हैं कि एमएलसी ने कालेज में डी.फार्मा के कोर्स की मान्यता के लिए एनओसी की फाइल भी तहसील में प्रस्तुत की थी, लेकिन उस पर यहां के अफसरों ने कोई कार्रवाई नहीं की।

खोदकर छोड़ दीं सड़कें, गड्ढों से हो रहे हादसे, जल जीवन मिशन योजना ने बिगाड़ी मार्गों की सूरत

बीपीएस न्यूज

उन्नाव। जिले की 1040 ग्राम पंचायतों में जलापूर्ति के लिये 5420.6 करोड़ ख़र्च कर जल जीवन मिशन योजना जिले में एक वर्ष पहले शुरू हुयी थी। जिसमें 6 लाख 11 हजार से अधिक घरों में नल लगाने का कार्य ग्रामीण क्षेत्र में तेजी से चल रहा है। जिसे लेकर सड़कों की खोदाई कर अंडरग्राउंड पाइप लाइन बिछाने के बाद कार्यदायी संस्था के ठेकेदारों ने गड् ?ढों को खुला छोड़ दिया है। जो बारिश में हादसों का कारण बन रहे हैं। इस गंभीर समस्या पर जिम्मेदार मौन हैं। इससे पानी तो ग्रामीणों को नहीं मिला लेकिन, उन्हें मुसीबत झेलनी पड़ रही है। हालांकि, जल निगम अफसरों का दावा है कि मरम्मत की जा रही है। वे शिकायत या जानकारी मिलने पर जल्द सही कराने का आश्वासन भी दे रहे हैं। जिले में 16 ब्लॉक हैं। सभी ब्लॉक की 1040 ग्राम पंचायतों में जलनिगम का काम चल रहा है। इसमें कहीं तो पानी की आपूर्ति शुरू होने की उम्मीद है लेकिन, ज्यादातर गावों में आपूर्ति शुरू होने की बात तो दूर वहां ओवरहेड टैंक तक नहीं बन सके हैं। अब यह कब टैंक बनेंगे और कब आपूर्ति मिलेगी यह अभी दूर की बात है। अब बारिश के मौसम में यह खोदी गई सड़कें ग्रामीणों के लिए बड़ी मुसीबत बनी हुयी हैं। क्योंकि बारिश के चलते कीचड़ तो हो ही रहा है साथ ही गड्ढे पानी से बड़े हो रहे हैं। जिससे बाइक सवार व पैदल चलने वाले लोग गिरकर चोटहिल हो रहे हैं। साथ ही कार व अन्य वाहनों के पहिये कीचड़ व खोदे गये गड्ढों में फंस रहे हैं। स्थिति यह है कि लोग घर से निकलने में डर रहे हैं। कई जगह पाइप लाइन बिछाने के बाद गड् ?ढों को सिर्फ मिट्टी डालकर छोड़ दिया गया है। इससे भी हादसे बढ़ रहे हैं। जिले में कई गांव ऐसे हैं जिनमें महीनों पहले पाइपलाइन बिछायी जा चुकी हैं। कुछ में हल्की मिट्टी डालकर खाना पूर्ति कर ली गयी है। इनमें पुरवा ब्लॉक के भुलेमऊ, छूलेमऊ, डेला, नवाबगंज ब्लॉक के कुसुम्भी, पाली, आमरेथा, कुंजपुर, मकूर, मदूखेड़ा, बिछिया ब्लॉक के सकरन, कुईथर, पड़री कला, सरांय कटियान, बदलीखेड़ा, गजाखेड़ा व बाबा खेड़ा गांव में भी सड़कों को पाइप लाइन डालने के बाद सही नहीं किया गया।

दबंगों ने बस्ती की जमीन को बताया अपनी जागीर

बीपीएस न्यूज

महोबा। कस्बा चरखारी के मोहल्ला गुमानपुरा की एक बस्ती की भूमि कों दबंगों ने अपनी जागीर बताते हुए चारों तरफ से तारबंदी लगाकर बस्ती के लोगों को कैद कर दिया, जिससे बस्ती वालों के सामने एक नई मुसीबत खड़ी हो गई है। चार पीढ़ियों से इस बस्ती में रहते आए लोगों ने उपजिलाधिकारी और पुलिस अधिकारियों को शिकायती पत्र सौंपा। शिकायती पत्र मिलने पर मौके पर पुलिस के साथ पहुंचे अधिकारियों ने तारबंदी को हटवा दिया। साथ ही हैंडपंप पर दबंग द्वारा किए गए कब्जे को भी हटावाया। अधिकारियों के पहुंचने के बाद बस्ती वासियों ने राहत की सांस ली। नगर पालिका परिषद के वार्ड जयंतनगर का मोहल्ला गुमानपुरा सुर्खियों में आ गया है, जहां पर बिजली, पानी, चिकित्सा और शिक्षा के अभाव है। यहां के बाशिंदों को बस्ती से लगे खेत के मालिक ने पूरी बस्ती को अपनी जागीर बताते हुए घरों के चारो तरफ तारबंदी लगाकर उन्हें कैद कर दिया, जिससे बस्ती के लोगों में हड़कम्प मच गया। इस बस्ती में करीब एक सैकड़ा लोग निवास करते है। यहां की दयनीय स्थिति को देखते हुए मीडिया ने जोरदारी से मूलभूत समस्याओं को समाचार पत्रों के माध्यम से उजागर किया था, तब प्रशासन ने नगर पालिका द्वारा 250 मीटर की सीसी रोड बनवा दी और एक दर्जन लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजा के तहत घर निर्माण के लिए पैसा आवंटित कर दिया, जिससे यहा पर कच्चे पक्के मकानों का निर्माण भी है साथ ही तीन हैंडपंप भी लगवाए गए थे। यहां पर लगभग 80 मतदाता हैं, जो नगर पालिका के चुनाव में मतदान भी करते हैं, बावजूद यहां के बाशिंदों को बिजली, पानी, चिकित्सा और हर घर जल योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है।

पहले फौजियों से दोस्ती करता, फिर लगा देता था चूना

25000 का इनामिया अन्तर्राज्यीय शातिर ठग आरोपी सुनील दुबे को गिरफ्तार कर पुलिस ने किया खुलासा

बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए 25000/ –इनामिया अन्तर्राज्यीय अभियुक्त सुनील दुबे उर्फ लल्लू पुत्र श्याम लाल दुबे को गिरफ्तार किया है, प्रेस वार्ता करते हुए अपर पुलिस उपायुक्त पूर्वी श्रवण कुमार सिंह ने बताया कि अभियुक्त बहुत ही शातिर किस्म अपराधी है जिसके निशाने पर ज्यादातर फौजी रहते है अभियुक्त पहले फौजियों से दोस्ती कर शराब के नशे में उनके एटीएम का पिन पता कर लेता था और फिर उनके मोबाइल से सिम वह एटीएम कार्ड निकालकर एटीएम से लाखो रुपए निकालकर टप्पेबाजी को अंजाम देता था जिसके क्रम में थाना हरबंसमोहल में 3 मुकदमों सहित कई राज्यों में इस तरह के मुकदमे दर्ज थे और इसके ऊपर इनाम भी घोषित किया गया था

, आरोपी को पकड़ने के लिए सहायक पुलिस आयुक्त क्लाक्टरगंज के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक हरबंसमोहल ने कई टीमें बनाई थी जो की फौजी के भेस में घूमकर आरोपी को ढूंढ रही थी, आज सुबह लगभग 5 बजे मुखबिर खास की सूचना पर सिद्धेश्वर मंदिर से मरेकंपनी पुल वाले रास्ते पर घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया, आरोपी के पास से एक अदद तमन्चा 315 बोर 02 अदद जिन्दा कारतूस 315 बोर, एक अदद एन्ड्राइड मोबाइल ओपो कम्पनी रंग काला आदि सामान बरामद हुआ हैं

आज नौहाख्वानी के साथ कुरआनख्वानी और मर्सिया होगी शुरू

बीपीएस न्यूज

कानपुर। शनिवार को मोहर्रम का चांद नजर नहीं आया लिहाजा करबला के मैदान पर शहीद हुए पैगंबर मोहम्मद साहब के नवासे हजरत इमाम हुसैन और 72 साथियों की याद में रविवार शाम से शहर गम में डूब जाएगा। शिया महिलाएं करबला बेवाओं की याद में अपनी चूड़ियां तोड़ देंगी।

शहरकाजी मौलाना हाफिज अब्दुल कुद्दूस हादी ने शनिवार को चांद नहीं होने की पुष्टि की। अब रविवार शाम से शहर के इमामबाड़ों पर नौहाख्वानी, घरों में कुरआनख्वानी, मर्सिया शुरू होगी। चमनगंज, बेकनगंज, कर्नलगंज, बजरिया, बकरमंडी, फेथफुलगंज, रेलबाजार, कंघी मोहाल, बाबूपुरवा, बेगमपुरवा, मछरिया, सुजातगंज, रोशन नगर, रावतपुर गांव, जाजमऊ, मख्दूम नगर में दुकानों पर बजने वाले फिल्मी गीत बंद हो गये हैं।

हजरत इमाम हुसैन की शहादत को बयान करने के लिए जगह–जगह दस दिनों तक जलसे होंगे। शिया समुदाय के लोग काले कपड़े पहन लेंगे और घरों में मजलिस, मातम करेंगे। कई इमामबाड़ों पर ताजिये रख दिये जायेंगे और नौहाख्वानी शुरू हो जाएगी। नवाब दूल्हा हाता, पटकापुर, ग्वालटोली मकबरा, छोटे मियां हाता, गम्मू खां हाता, जूही लाल कालोनी, जूही सफेद कालोनी में इमामबाड़ों पर मातम शुरू होगा।

मोहर्रम की पहली तारीख आज

शहरकाजी हाफिज मामूर अहमद जामई की अध्यक्षता में मरकजी रुअते हिलाल कमेटी की बैठक हुई। उलेमा ने शनिवार को चांद तस्दीक नहीं होने का एलान किया। सोमवार को मोहर्रम 1446 हिजरी की पहली तारीख होगी। बैठक में मुफ्ती अब्दुर्रशीद कासमी, मौलाना समीउल्लाह कासमी, मौलाना मोहम्मद इनाम उल्लाह कासमी, मौलाना मोहमद अनीस खां कासमी, कारी सुहैल अहमद, अलहाज सादिक कमाल नक्शबंदी शामिल थे।

मुंशी पुरवा डाकखाना, बाबूपुरवा में यादे हुसैन मनाएंगे

अंजुमन अहले बैत के बैनर तले मोहर्रम के महीने में हसनैन रोड स्थित मुंशी पुरवा डाकखाना बाबूपुरवा में यादे हुसैन जलसा आयोजित होगा, जिसकी सरपरस्ती मुफ्ती मोहम्मद हनीफ बरकाती करेंगे। जानकारी सूफी लाल मोहम्मद कादरी ने दी।

एनएसजी कमांडो का शव पहुंचा गांव, हर आंख हुई नम

कानपुर देहात। बरौर थाना क्षेत्र के कलेनापुर निवासी एनएसजी कमांडो के निधन पर होने पर सेना के जवान का पार्थिव शरीर को लेकर पैतृक कलेनापुर गांव पहुंचे। गांव में परिवार के साथ हर कोई गमगीन नजर आया। सेना के जवानों ने सलामी देने के बाद गांव में पैतृक भूमि में अंतिम संस्कार किया गया। सेना के जवानों ने सात साल के बेटे निखिल को तिरंगा सौंपा। तो सभी के आंखों से आंसू छलक पड़े।भाई राजू ने बताया कि छोटे भाई रामनरेश सिंह (50) सेना में वर्ष 2000 में सिपाही के पद पर भर्ती हुए थे। इसके बाद उनकी सुबेदार के पद पर पदोन्नति हुई थी। आठ माह पूर्व ट्रेनिग पूरी कर एनएसजी कमांडो बने थे। इसके बाद वर्तमान में दिल्ली में उनकी तैनाती थी। शुक्रवार को यूनिट से फोन पर जानकारी दी गईकि रामनरेश की हृदयगति रुकने से निधन हो गया है। शनिवार की सुबह गांव के लोगों को जानकारी होते ही भीड़ जुट गई। दोपहर में सेना के जवान का पार्थिव शरीर लेकर जवान गांव पहुंचे। तो पत्नी जावित्री, बेटी नेहा, निधी, बेटा निखिल, मां रामकुमारी, भाई शमशेर व दिलीप बिलख पड़े। वहीं घर के बाहर ही जवानों ने सलामी दी। इसके बाद सात वर्षीय बेटे निखिल को तिरंगा सौंपा। गांव के पास ही खेत में शव का अंतिम संस्कार किया गया।

मोहर्रम एक हरारत है जो पत्थर दिलों को पिघला सकती...

कानपुर देहात। ब्लाक मलासा के अंतर्गत ग्राम मोहम्मद पुर में सैफ रिज़्वी ने बताया कि (क्या है मोहर्रम) मोहर्रम त्योहार नही है मानवता की राह में सब कुछ कुर्बान करने वाले शहीदो की याद है बातिल अपनी पूरी ताकत के साथ हक के सामने था यजीद हाकिम बन के अधर्म और अन्याय का राज कायम करना चाहता था नवासे रसूल न्याय धर्म और मानवता का यजीद बातिल की नुमाइनदागी कर रहा था। हुसैन अलैहिस्सलाम हक प्रस्तो की यजीदी सेना लाखो में थी हुसैनी जियाले 72 थे जुल्म सर काट कर भी हार गया, सब्र सर कटा कर जीत गया, ताकत हाथ मलती रह गई , मजलूमों ने मैदान में फतह कर ली बस इसी जज्बे कुर्बानी को जिंदा रखने का नाम मोहर्रम है मोहम्मद साहब ने बताया कि मैं आप सभी लोग एक समान समाज में है।

आईटीआई पांडुनगर में आज लगेगा राष्ट्रीय शिशिक्षु मेला

कानपुर। 08 जुलाई (सोमवार) को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, पाण्डु नगर, कानपुर में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय शिशिक्षु मेला का आयोजन किया जा रहा है। इस मेले का उद्देश्य आईटीआई उत्तीर्ण प्रशिक्षणार्थियों को बेहतर अप्रेंटिसशिप के अवसर प्रदान करना है। अमित कुमार पटेल प्रधानाचार्य राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान ने बताया कि इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में 15 प्रतिष्ठित कंपनियाँ, जैसे हैवेल्स, मिर्ज़ा इंटरनेशनल, जैद इंजीनियरिंग, बी एम एस इंडस्ट्रीज़ आदि, भाग लेंगी ।

आईजीआरएस शिकायतों के निस्तारण में कानपुर फिसड्डी

75 जिलों में 72 वां स्थान, 130 में से सिर्फ 96 नंबर ही मिले

शिकायतों की मॉनिटरिंग को लगी है अफसरों की फौज डीएम राकेश कुमार सिंह नाराज

कानपुर। आईजीआरएस रैंकिंग में कानपुर पूरी तरह से धड़ाम हो गया है। यूपी के 75 जिलों में कानपुर का नंबर 72वां आया है। कानपुर को 130 में से सिर्फ 96 नंबर ही मिले हैं। हालांकि पुलिस की रैंकिंग में सुधार हुआ है। शिकायत निस्तारण करने वाले अफसरों से शहरवासी संतुष्ट नहीं हैं। इसलिए सबसे ज्यादा खराब स्थित फीडबैक में है। कई डिफॉल्टर संदर्भ भी हैं। एडीएम सिटी डॉ. राजेश कुमार ने बताया कि अब विभागों की लंबित शिकायतों की सूची तैयार कराई जाएगी। जिस विभाग की सबसे ज्यादा शिकायतें लंबित या डिफाल्टर मिलेगी, उन अधिकारियों को नोटिस भेजकर जवाब तलब किया जाएगा।लोकसभा चुनाव की वजह से तीन महीने से बंद चल रही आईजीआरएस की रैंकिंग जुलाई महीने में फिर से शुरू हो गई है। नगर निगम, केडीए, बेसिक शिक्षा और समाज कल्याण से लेकर बिल्हौर तहसील के सबसे ज्यादा मामले डिफॉल्ट श्रेणी में रहे। डीएम की ओर से सभी को नोटिस भी जारी किया गया। फिर भी कोई असर नहीं पड़ा। शिकायतों को गुणवत्तापूर्ण तरीके से निस्तारण नहीं किया गया।

इसकी वजह से शिकायतकर्ता भी संतुष्ट नहीं थे। जिसकी वजह से फीडबैक में भी कानपुर के नंबर काफी कटे हैं।

मोबाइल-टावरों से कीमती उपकरण चोरी कर लेता था गैंग

- गैंग के पांच सदस्य गिरफ्तार
- पुलिस नें चेकिंग के दौरान बिल्हौर के नानामऊ ओवरब्रिज से दबोचा
- लग्जरी गाड़ियों से वारदात को देते थे अंजाम

कानपुर। मोबाइल–टावरों के उपकरण चोरी करने वाले गिरोह का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पुलिस ने दो कार समेत लाखों के माल के साथ पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है।शनिवार को पुलिस उपायुक्त पश्चिम कार्यालय में डीसीपी विजय ढुल ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए घटना का खुलासा किया । उन्होंने बताया कि चार जुलाई को बिल्हौर कोतवाली क्षेत्र के राजेपुर गांव में एक प्राइवेट कम्पनी के मोबाइल टावर से कई लाख कीमत के उपकरण चोरी हो गए थे 7 इसकी बिल्हौर थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई। इसके बाद पुलिस व सर्विलांस की संयुक्त टीमें गठित की गईं । कई दिनों से टीम चोरों की तलाश में थी। थाना क्षेत्र के नानामऊ तिराहे के पास पुलिस वाहन चेकिंग कर रही थी उसी समय एक कार पुलिस के रोकने के बावजूद सवारों ने तेजी से भागने की कोशिश की। लेकिन पुलिस ने कुछ दूर पीछा कर कार सवारो को पकड़ लिया। उक्त कार की जब चेकिंग की गई तो उसमें मोबाइल टावर का सामान आदि मिला। जिस पर शक हुआ। पूछताछ की गई तो चोरी का खुलासा हुआ। सभी चोर मैनपुरी जिले के हैं। पुलिस ने जिन पांच चोरों को गिरफ्तार किया हैवह बड़े शातिर हैं। इन्होंने अन्य जनपदों कन्नौज,औरैया कानपुर नगर,कानपुर देहात व मैनपुरी में हुई चोरी कबूली है । इनका नाम आलोक,शिवेंद्र,अमन, शिवम और सचिन है । यह सभी मैनपुरी जिले के किशनी थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं। पुलिस ने घटना का खुलासा करते हुए बताया कि यह अंतर्जनपदीय गैंग लग्जरी गाड़ियों से वारदात को अंजाम देता था।

फेलिसिटेशन सेरिमनी में मेधावी सम्मानित

सेंट मैरिज कॉन्वेंट हाई स्कूल कैंट में फेलिसिटेशन सेरिमनी का हुआ आयोजन

बीपीएस न्यूज

कानपुर। सेंट मैरिज कॉन्वेंट हाई स्कूल कैंट में फेलिसिटेशन सेरिमनी का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय की प्रबंधक सिस्टर मैरियन तथा प्रधानाचार्या सिस्टर प्रभा द्वारा मेधावी छात्राओं को सम्मानित किया गया। आई . सी.एस.ई की रितिशा अग्रवाल, अनुष्का चौहान ,मरियम नूर, मानवी भारद्वाज ,मायरा हक ने उच्चतम अंकों के साथ सफलता प्राप्त की तथा आई.एस.सी की अंशिका प्रसाद, मौली सिंह ,इलमा शाहिद ,कुदसिया जफर ,साईं श्री सक्सेना ,कुमकुम शिवा पांडे, वंशिका यादव, ऋषिका नागपाल, जुदिथ ,आयशा फातिमा ,गुन मेहरोत्रा, श्रेया सारस्वत ,रुद्रांशी पांडे ने श्रेष्ठ अंकों के साथ सफलता प्राप्त की। विद्यालय की अन्य छात्राओं ने 100त्न अंकों के साथ श्रेष्ठ परिणाम प्राप्त किया। विद्यार्थियों के श्रेष्ठ प्रदर्शन और उज्जवल भविष्य के लिए अध्यापिकाओं ने शुभकामनाएं दी।

बच्चों ने ठाना है, जन्मदिवस पर पौधा लगाना है

बीपीएस न्यूज

कानपुर देहात। विकासखंड के संविलियन विद्यालय धन्नी निवादा में प्रकृति के संतुलन को बनाए रखने के लिए वृक्षारोपण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के बच्चों ने वृक्षारोपण के लिए गांव में रैली निकाली और नुक्कड़ नाटक का प्रस्तुतीकरण किया। इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी अजब सिंह, ग्राम प्रधान मो. इसरोज, एआरपी आशीष द्विवेदी, कार्यालय सहायक शैलेंद्र सिंह, प्रधानाध्यापक राजेंद्र कुमार, रोजगार सेवक रामेंद्र कुमार द्विवेदी के साथ साथ ग्रामीणों और विद्यालय के समस्त स्टाफ ने वृक्षारोपण किया। खंड शिक्षा अधिकारी की प्रेरणा से विद्यालय के सभी बच्चों और ग्राम प्रधान ने भी संकल्प लिया कि आज से हर बच्चे के जन्म दिवस पर अब पौधा जरूर लगाएंगे। इसी मुहिम में विद्यालय की दो छात्रा शगुन और खुशी ने अपने जन्म दिवस पर पौधा लगाते हुए बेसिक शिक्षा के बच्चों ने ठाना है, जन्म दिवस पर पौधा लगाना है का नारा लगाया। खंड शिक्षा अधिकारी अजब सिंह एआरपी आशीष द्विवेदी ने बच्चों की शानदार प्रस्तुति देखकर बच्चों को मिष्ठान प्रदान करते हुए सभी बच्चों को एक एक पौधे की जिम्मेदारी सौंपी। इस अवसर पर विद्यालय के सहायक अध्यापक महेश कुमार कनौजिया, अध्यापिका कनचनलता, प्रमिला कटियार, रश्मि शुक्ला, आरती राजपूत, रूमा कुमारी एवं अन्य ग्रामवासी उपस्थित रहे।

बी पी एस न्यूज
हिन्दी साप्ताहिक
मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6–ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344– बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/ 2016/ 66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2024-2026, सम्पादक बुद्ध प्रकाश साहू मो.: 8423454502 , व्हाट्सअप 9335908846 email:bps.knp786@gmail.com info@bpsnews.in www.bpsnews.in नोट–समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओं की होगी। कृपया कोई भी आपत्ति हो तो 15 दिनों के अंदर भेजें।